पंजीकरण का 54वाँ वर्ष

मार्च 2011 अंक 12

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक :

हीरेन्द्र नाथ भार्गव

प्रधान सचिव, अखिल भारतीय भार्गव सभा
जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन : (011) 41403536

सह-सम्पादक :

निहाल भार्गव

सी-75, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन: 26948615, मोबाइल: 09810234705

मुद्रण का स्थान :

रैक्मो प्रेस प्राईवेट लिमिटेड

सी-59, ओखला इण्डस्ट्रियल एरिया फेज-I
नई दिल्ली-110020
फोन : (011) 26814886, 26816282

भार्गव पत्रिका का वार्षिक शुल्क	**: रु.**	**120**
एक प्रति का मूल्य	**: रु.**	**10**
धरोहर राशि जमा योजना	**: रु.**	**1500**

पत्रिका के लिये सामग्री, शुल्क तथा सभी पत्र निम्न पते पर भेजें:-

जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
फोन : 41403536 अथवा 65955086
ई-मेल : abbs@airtelmail.in

Kindly visit website of Bhargava Sabha
www.bhargavasamajglobal.com

ॐ ॥ सत्यमेव जयते ॥ ॐ

भार्गव सभा का मुखपत्र

भार्गव पत्रिका

प्रकाशन का 112वाँ वर्ष

इस अंक में

भार्गव पत्रिका की सदस्यता शुल्क हेतु विशेष सूचना 2
संशोधन/भूल सुधार 2
Required : Steno-cum-Accountant 2
Some consents regarding increase in rates of Bhargava Patrika 3
सम्पादक के नाम पत्र (5 पत्र) 4-6
दूरस्थ स्थानों के निवासी भार्गव बन्धुओं के विषय में 7
छीतरमल शिवजी मार्केट, रेवाड़ी में 12 दुकानों की निलामी 8
स्व. रमेश चन्द्र जी, कोटा को अर्पित श्रृद्धांजलियाँ 9-11
स्व. पवन कुमार भार्गव, कोलकाता को अर्पित श्रृद्धांजली 11
श्री परशुराम व्रत-पर्व पत्रिका 12-13
रामनवमी के अवसर पर : श्री राम नाम महिमा 15
Career Dev. Sub Com. : Bhargava Genius Quiz 17
Stone Laying Ceremony of Archat Devi Mandir Road 17
Young Talented Achievers of Bhargava Community 19
स्व. पं. मुकुट बिहारी लाल की स्मृति में प्रकाशित पुस्तक का लोकार्पण 21
कविता : लाइफ इन महानगर 21
श्री किशोरी रमण - स्व. श्रीमती राजदुलारी भार्गव, जयपुर पुरस्कार निधि - राशि रुपये 1.00 लाख 23-24
वैचारिक मंथन : विजन 2020 25
सभी के पढ़ने योग्य लेखमाला :
भार्गव सभा का इतिहास - चक्र : गतांक से आगे 31
अ.भा. भार्गव महिला सभा: धार्मिक भ्रमण - चित्रकूट दर्शन 33
जातीय समाचार 35-37
हमारी स्थानीय सभाएँ : बीकानेर, भोपाल, कोटा, झाँसी, अहमादाबाद, इन्दौर, लखनऊ, हैदराबाद, रायबरेली, दिल्ली, कोलकाता, जोधपुर 39-55
हमारी महिला सभाएँ : मथुरा, जोधपुर, भोपाल, अजमेर, रेवाड़ी, गुड़गाँव 56-59
अ.भा. भार्गव युवा संघ - विशेष एवं साधारण अधिवेशन 60
भार्गव युवा संघ, जयपुर 61
विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण: (9 युवक, 3 युवतियाँ) 62-68

भार्गव पत्रिका की सदस्यता शुल्क हेतु विशेष सूचना

वर्ष 2011-12 हेतु भार्गव पत्रिका का वार्षिक शुल्क 120 रुपये एवं धरोहर राशि के 1,500 रुपये यथावत रहेंगे।

पत्रिका की सलाहकार उपसमिति एवं अधिकतर कार्यकारिणी सदस्य बढ़ती मंहगाई के कारण भार्गव पत्रिका का सदस्यता शुल्क बढ़ाने के पक्ष में थे। परन्तु निर्णय लिया गया है कि 2011-2012 में केवल विज्ञापन की दरों को ही बढ़ाया जाये।

हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे शुभचिन्तक विज्ञापन दाता वर्ष 2011-12 से बढ़ी दर स्वीकार कर हमें एवं सम्पूर्ण समाज को अनुग्रहीत करेंगे। हम आगे 8-10 नए विज्ञापनों के लिये भी प्रयासरत रहेंगे। यदि कुछ बन्धुगण नए विज्ञापन दिलाने में भार्गव पत्रिका की सहायता करेंगे तो हम उनके भी आभारी होंगे।

मनमोहन कुमार, प्रधान
अखिल भारतीय भार्गव सभा

हीरेन्द्र नाथ, प्रधान सचिव
अखिल भारतीय भार्गव सभा

विजय नारायण, सलाहकार
भार्गव पत्रिका सलाहाकार उपसमिति

संशोधन/भूल सुधार: भार्गव पत्रिका के फरवरी, 2011 अंक में 'हमारी स्थानीय सभाएँ' शीर्षक के अन्तर्गत पृष्ठ 39 पर प्रकाशित गुड़गाँव भार्गव सभा की कार्यवाही के अन्त में "सचिव, श्री अशोक भार्गव, 595, सैक्टर-4, अर्बन एस्टेट, गुड़गाँव-122001, मो. 09873912332" के स्थान पर त्रुटिवश 'श्रीमती वनिता भार्गव' छप गया था तथा पृष्ठ 45 पर प्रकाशित अलवर भार्गव सभा की कार्यवाही के छठे पैरा की प्रथम पंक्ति में "श्री बनवेश" के स्थान पर त्रुटिवश 'श्री दिनेश' छप गया था। कृपया इन्हें संशोधन के साथ पढ़ें। त्रुटि के लिए हमें खेद है। – **सम्पादक मंडल**

Required : Steno-cum-Accountant

Akhil Bhartiya Bhargava Sabha requires a full time assistant for Sabha work and its accounts work. Computer friendly (Hindi and English) person will be preferred.

Living facility in present Bhargava Sabha office can also be provided.

Contact : Pradhan Sachiv, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha (Regd.), G-197, Sarita Vihar, New Delhi-1100076, email: abbs@airtelmail.in

Kindly visit website of Bhargava Sabha
www.bhargavasamajglobal.com
for *e* copy of Bhargava Patrika every month.

Some consents regarding increase in rates of Bhargava Patrika

I am in favour.

—***Anuj***, Mumbai, 17.2.2011 (Executive Member)

I hereby give my consent over the matter.

— ***Ravindra***, Indore, 17.2.2011 (Executive Member)

It is quite logical to increase the annual subscription of 'Bhargava Patrika' from Rs.120/- to Rs.200/-. Also, there is no justification for subsidising the Patrika as funds can be better utilised elsewhere.

— ***Sudhir***, Rewari, 17.2.2011 (Executive Member)

It is justified. Should be implimented.

—***Anil***, Ghaziabad, 18.2.2011 (Executive Member)

We should have done this earlier. Publicity should also be given for using *e* copy of patrika which is available on our web site.

—***Alok***, Kota, 18.2.2011 (Executive Member)

I do hereby agree to the proposal and recommend the same.

— ***Pramod***, Jodhpur, 18.2.11 (Executive Member & Member Patrika Advisory Committee)

I give my consent in increase of rate of Patrika.

— ***Sanjeev***, Delhi, 18.2.2011 (Executive Member)

Please go ahead with the proposed increase at the same time thinking ways & means for bringing in our Patrika more & more close to each & every one of us.

— ***Surendra Nath***, Jodhpur, 19.2.2011 (Executive Member)

I agree with your proposal. For this purpose we can take help of Executive members.

— ***Kapileshwar Sahai***, Kanpur (Member Patrika Advisory Committee & Vice President - Elect 2011-13), Mob.: 09336322788

मेरी सहमति है कि नई प्रस्तावित दरों को अप्रैल, 2011 से निम्न प्रकार से लागू किया जाये।

1. पत्रिका का वार्षिक शुल्क - 120 से 150 रुपये,
2. धरोहर राशि - 1,500 से 2,000 रुपये,
3. विज्ञापन दरें - प्रस्तावित अनुसार

— **श्रीकृष्ण,** अजमेर, मो. 09460479090 (सदस्य, पत्रिका सलाहकार उपसमिति)

गत वर्षों से पत्रिका में विज्ञापन की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है। अब इसमें वृद्धि की आवश्यकता है। प्रकाशित विज्ञापन दरों में बढ़ोत्तरी से मैं सहमत हूँ।

महंगाई के बढ़ते चरण और पत्रिका को घाटे से दूर रखने के लिये वार्षिक शुल्क में 30 प्रतिशत की वृद्धि कर पूर्ण अंकित (round figure) रु.160/- वार्षिक अप्रैल से मार्च तक कर दिया जाये।

वर्तमान धरोहर राशि में भी 33 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर पूर्ण अंकित (round figure) रु.2,000/- कर दी जाये। प्रत्येक तीन वर्ष बाद या आवश्यकता पड़ने पर पुनः शुल्क का आंकलन किया जाये।

— **बालकृष्ण,** दिल्ली, मो. 09891910968
(सदस्य, पत्रिका सलाहकार उपसमिति)

सम्पादक के नाम पत्र

(1) भार्गव पत्रिका के जनवरी-2010 के अंक में 'भार्गव सभा का इतिहास' पढ़कर ज्ञात हुआ कि हमारे पूर्वजों ने जाति का अस्तित्व रखने के लिये कितना संघर्ष किया। लेखक श्री शान्ति प्रसाद भार्गव बधाई के पात्र हैं। हमें इसे भार्गव पत्रिका के द्वारा पुस्तक के रूप में प्रतिबद्ध कर जाति के नवयुवकों को गौरवपूर्ण संघर्षरत इतिहास से अवगत कराना चाहिये।

3/12, एस.एफ.एस. अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 **के.एल. भार्गव**

●●●

(2) भार्गव पत्रिका का जनवरी-2011 अंक देखा। बहुत अच्छा लगा। प्रसन्नता का विषय है कि डा. शान्ति प्रसाद भार्गव ने अत्यन्त परिश्रम पूर्वक भार्गव सभा का इतिहास लिखा जिसके लिये उन्होंने स्व. विष्णु भार्गव, जयपुर के पास उपलब्ध ऐसी सामग्री का उपयोग किया जो अत्यन्त दुर्लभ है। इस सारे श्रम के हम दोनों साक्षी हैं।

मनुष्य संसार में अकेला आता है किन्तु जब तक उसे दूसरों का सहयोग न मिले तब तक वह संसार में बना नहीं रह सकता। इसी कारण परिवार की संस्था का जन्म हुआ और उसके आगे परिवारों को जोड़कर समाज बना। परिवार में उसके सदस्य परिवार को चलाते हैं। समाज को चलाने के लिए सभाओं का निर्माण होता है। भार्गव समाज ने लगभग 121 वर्ष पूर्व भार्गव सभा की स्थापना की। सभा सभ्यता की सूचक है। कोई समाज पारस्परिक सहयोग के लिए सभा का निर्माण करे - यह उस समाज के विकासशील होने का सूचक है।

हमारे पूर्वजों ने 121 वर्ष पूर्व भार्गव सभा की स्थापना की जिससे हजारों भार्गव स्त्री-पुरुषों को लाभ पहुँचा। डा. शान्ति प्रसाद जी का, जो स्वयं इतिहास में एम.ए. थे, इस ओर ध्यान गया कि भार्गव सभा का इतिहास लिखना चाहिये। फलत: उनका यह ग्रन्थ आज हमारे सामने है।

कोई इतिहास केवल अतीत की कहानी नहीं होता। भविष्य के लिए मार्गदर्शक भी होता है। "भार्गव सभा का इतिहास" भी इसका अपवाद नहीं है। किस प्रकार हमारे पूर्वजों ने सूझबूझ के साथ भार्गव सभा की रचना की और उसे आगे बढ़ाया। इसका अत्यन्त प्रेरणाप्रद लेखा-जोखा इस ग्रन्थ में है जिसे सब लोगों को पढ़ना तो चाहिये ही उससे प्रेरणा लेकर भार्गव सभा को और भी अधिक उपयोगी बनाने में तन-मन-धन से जुट जाना चाहिये। ताकि हमारे पूर्वजों द्वारा लगाया गया ये वृक्ष सदा अधिक से अधिक फूलता फलता रहे।

जे-1/7, जीवन सुरक्षा फ्लैट्स, सैक्टर 2, विद्याधर नगर, **लक्ष्मी भार्गव**, एम.ए.
जयपुर-302012, मो. 09660578086, 09352565007 **डा. दयानन्द भार्गव**

●●●

(3) भार्गव पत्रिका के जनवरी व फरवरी, 2011 अंको में श्री भारत रत्न भार्गव द्वारा ''भार्गव सभा का इतिहास'' पुस्तक की पुनर्व्याख्या करने का कार्य सराहनीय है और इसी प्रकार है जैसे गढ़े हुये धन को निकाल कर सदुपयोग करना। भार्गव पत्रिका के पाठकगणों को इस व्याख्या को पढ़कर युवा पीढ़ी को भी पढ़ाने या बताने की आवश्यकता है जिससे उन्हें अतीत में हमारे पूर्वजों द्वारा बिखरे हुये अल्पसंख्यक, भयग्रसित एवं रूढ़िवादी समाज को ''अखिल भारतीय भार्गव सभा' नामक एक संगठन बनाकर सर्वोन्मुखी उन्नत समाज बनाने में लम्बे समय तक तन-मन-धन से किये गये उनके नि:स्वार्थ परिश्रम का अहसास हो सके। उन्हीं लोगों की तपस्या का फल है कि आज देश विदेशों में हमारी जाति एक आदर्श समाज के रूप में देखी जाती है। वर्तमान में आवश्यकता है जाति में पनपते कुछ दोषों/कमियों को मिटाने में अपने बुजुर्गों की राह पर चलकर जाति की साख को बनाये रखने की। श्री भारत रत्न द्वारा दिया गया सुझाव कि ''अखिल भारतीय भार्गव सभा'' को 'अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा' से सम्बद्ध होना चाहिये, भी सभा के स्तर पर गहन विचार योग्य है।

13/256 महताब सिंह का नौहरा, अलवर, मो. 09414445571 **मथुरा प्रसाद भार्गव**

सम्पादक के नाम अन्य पत्र

(4) हमने पिछले दो वर्षों से ही अखिल भारतीय भार्गव सभा के अधिवेशन में भाग लेना शुरू किया। परन्तु दोनों अधिवेशन का अनुभव एकदम विपरीत रहा।

भार्गव पत्रिका जनवरी 2011 में 121वाँ अखिल भारतीय भार्गव सभा अधिवेशन, वाराणसी की एक रिपोर्ट भी पढ़ी। यह रिपोर्ट वास्तविकता से परे है। वाराणसी अधिवेशन पूर्णतया अव्यवस्थित अधिवेशन था। अधिवेशन स्थल पर मिट्टी उड़ रही थी तथा खाने-पीने के स्टॉलों के आगे कीचड़ थी। देशी घी की कचौरियों के नाम पर मिलावटी तेल की कचौरियाँ उपलब्ध कराई जा रही थीं, शिकायत करने पर उत्तर था कि यहाँ तो यही मिलेगी। 20/- रुपये में दो की जगह 1 पराठा दिया जा रहा था। चाय व उसकी मात्रा जो कि पूरे वाराणसी में 3/- रुपये में उपलब्ध थी वो अधिवेशन स्थल पर 5/- रुपये में उपलब्ध कराई जा रही थी। इसी प्रकार 10/- रुपये में छोटे से दोने में पोहा दिया जा रहा था। पानी की बोतल जो कि बाजार में 12/- रुपये में उपलब्ध थी अधिवेशन स्थल पर 15/- रुपये में उपलब्ध कराई जा रही थी।

एक आम सदस्य इस अधिवेशन में आकर अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहा था। सारी वस्तुएँ सामान्यत: बाजार भाव से ऊपर बेचने से अधिवेशन का माहौल व्यावसायिक सा लग रहा था। सभी सदस्य इसकी शिकायत वाराणसी भार्गव सभा के पदाधिकारियों को कर रहे थे, जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि सभी कार्यकर्ता अनुभवहीन हैं। अधिवेशन की अन्य व्यवस्थाऐं भी संतोषजनक नहीं थीं।

इसके विपरीत हरिद्वार अधिवेशन 2009 जो कि अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) द्वारा संचालित किया गया था। उसकी जितनी तारीफ की जाए कम है। आशा के विपरीत उपलब्ध खान-पान की वस्तुऐं उनके मूल्य को देखते हुए मात्रा काफी उचित थीं तथा जिस प्रकार कार्यकर्ता वहाँ कार्य रहे थे वे निश्चित रूप से सभी तरह से परिपक्व व अनुभवी थे। इंतजाम इत्यादि से सभी प्रतिनिधि प्रसन्न थे।

अन्त में हम यही अनुभव करते हैं कि भविष्य में सभी अधिवेशन के आयोजन अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) ही करे क्योंकि उनके पास विभिन्न नगरों की सहायता से सभी तरह के अनुभव वाले कार्यकर्ता काफी मात्रा में उपलब्ध हैं।

अम्बेगाँव, पुणे **तुषार भार्गव**
मो.: 08087683167 **राहुल भार्गव**

आधुनिक समाज में सबसे प्रमुख समस्या है लड़के-लड़कियों के लिए उपयुक्त वर-वधु का चयन। इस समस्या के समाधान हेतु हम ला रहे हैं आपके लिए

भार्गव मैरिज ब्यूरो

53/95, सरयू मार्ग, मध्यम मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020

इसमें आप अपने पुत्र/पुत्रियों के बायोडेटा व फोटो देकर अनेक लड़के-लड़कियों के बायोडेटा प्राप्त कर सकेगें तथा उपयुक्त वर-वधु का चयन कर सकेगें।

सम्पर्क

रीता भार्गव, मो.: 09680029494 **मुकेश कुमार भार्गव**, मो.: 09829005300

सम्पादक के नाम अन्य पत्र

(5) संविधान अनुसार अखिल भारतीय भार्गव सभा का अधिवेशन प्रतिवर्ष अवश्य होना चाहिये। यह भार्गव सभा का कर्त्तव्य ही नहीं दायित्व भी है। हमारे समाज का एक बड़ा वर्ग इन वार्षिक अधिवेशनों में आता है और उत्तम कार्यक्रमों एवं व्यवस्था की अपेक्षा करता है। किसी वर्ष अधिवेशन का आयोजन व्यवस्थित हो जाता है, परन्तु कभी–कभी अनेक कमियाँ रह जाती हैं और आगन्तुकगण निराश और दु:खी होकर लौटते हैं। गत वर्षों में हरिद्वार में दो अधिवेशन भार्गव सभा द्वारा अनेक स्थानीय सभाओं के कार्यकर्त्ताओं के सहयोग से कराये गए। विभिन्न नगरों से कार्यकर्त्तागण उनको दी हुई जिम्मेदारियों को निभा रहे थे। सभी कार्यक्रम व्यवस्थित रूप से सम्पादित हुए।

जब स्थानीय सभाऐं स्वयं अपने स्तर पर सम्पूर्ण व्यवस्था करने का प्रयास करती हैं तो स्थानीय कार्यकर्त्ताओं को अधिवेशनों का पूर्ण अनुभव न होने के कारण उनके विचारों में आपसी मतभेद होने आरम्भ हो जाते हैं। व्यवस्था बिगड़ जाती है। अधिवेशन में अफरातफरी हो जाती है। अधिवेशन के समय एवं बाद में दोषारोपण एवं आपसी मतभेद बढ़ जाते हैं। कहीं–कहीं तो ये मतभेद स्थानीय सभा को ही जीर्ण–शीर्ण कर देते हैं।

ऐसा क्यों होता है? इसकी विवेचना करना परम् आवश्यक है। 'अधिवेशन' अखिल भारतीय भार्गव सभा का होता है। यदि वे अपनी जिम्मेदारी को किसी स्थानीय भार्गव सभा को सौंपते हैं और व्यवस्था चिरमिरा जाती है तो दायित्व भार्गव सभा का ही है। वे स्थानीय सभाओं पर दोष डाल कर अपनी जिम्मेदारी समाप्त नहीं कर सकते हैं। गत वर्षों में कटु अनुभवों के बाद अखिल भारतीय भार्गव सभा आगे से सभी अधिवेशन अपनी व्यवस्था में करायें। स्थान चयन करते समय उस स्थान में केवल उपलब्ध सुविधाओं को देखें।

इस समस्या की ओर अन्य विचारक एवं अधिवेशन की व्यवस्थाओं से परिचित जाति बन्धुओं के विचार आमन्त्रित हैं।

– **विजय नारायण भार्गव**, पूर्व प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा

With Best Compliments From

Shiv Prakash Bhargava

Vivek Bhargava

SUDHA PRINTING PRESS

B-21/3, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi - 110 020
Phones : (O) (011) 26385621, (R) 26973683, (M) 09810109206

दूरस्थ स्थानों के निवासी भार्गव बन्धुओं के विषय में

यह निर्विवाद है कि विगत अनेकानेक वर्षों में भार्गव समाज के सदस्य बड़ी संख्या में स्थानीय और केन्द्रीय भार्गव सभा के सदस्य बने हैं। किन्तु हमारे देश के विशाल भाग में रहने वाले हमारे समाज के अधिकांश सदस्य अभी भी हमारी सभा के अन्तरंग भाग नहीं बन पाए हैं। यह स्थिति विशेष रूप से गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और उड़ीसा जैसे दूरस्थ प्रदेशों में सबसे अधिक प्रभावी है।

इस तथ्य का एक दिलचस्प पक्ष यह भी है कि इन जैसे प्रदेशों में रहने वाले हमारे समाज के सदस्य, भले ही भार्गव सभा से कटे हुए हों, किन्तु वे समाज से कटे हुए कतई नहीं हैं। पूर्वी, पश्चिमी और विशेष रूप से उत्तरीय प्रदेशों में रहने वाले अपने सम्बन्धियों, बन्धु-बान्धवों, नाते-रिश्तेदारों से वे पूरी तरह जुड़े हुए हैं और उनके जीवन के विशिष्ट प्रसंगों में वे भरपूर उत्साह और मनोयोग से भागीदारी करते हैं।

हम यथाशक्ति यह प्रयास करना चाहते हैं कि अपने समाज के सभी सदस्यों को, भले ही वे विश्व के किसी भी भाग के निवासी हों, भार्गव सभा की समस्त गतिविधियों, कार्यक्रमों और भावी योजनाओं से पूरी तरह परिचित रखा जाए।

हमारा निवेदन है कि यदि अपना कोई परिजन भार्गव सभा की गतिविधियों और कार्यक्रम से परिचित होना चाहें तो कृपया उनका ईमेल, Skype ID, टेलीफ़ोन/मोबाइल एवं डाक पता इत्यादि अखिल भारतीय भार्गव सभा को निम्न पते पर देने की कृपा करें।

कार्यालय : जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
ईमेल : abbs@airtelmail.in
वैबसाइट: www.bhargavasamajglobal.com

मनमोहन कुमार भार्गव, प्रधान
हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

अखिल भारतीय भार्गव सभा के संविधान अनुसार स्थानीय सभाओं के प्रधान तथा 1 से 2 सदस्य भार्गव सभा की कार्यकारिणी में मनोनीत किये जाते हैं। दूरी, समय और व्यय को देखते हुए अधिकतर दूरस्थ कार्यकारिणी सदस्य बैठकों में नहीं आ पाते हैं। अतः कुछ और प्रयास हमें करने चाहिये।

तन से नहीं तो कम से कम मन से तो उन्हें अपने से जोड़ा जाय।

आज अमेरिका और कनाडा में 500 भार्गव परिवार, मिडिल ईस्ट में 30–35, सिंगापुर में 25, ऑस्ट्रेलिया में 25, इंग्लैण्ड में 25 और विश्व के प्रायः सभी कोनों में हमारे भार्गव परिवार रहते हैं। वे 2–3 वर्षों में एक बार भारत अपने परिवारों से मिलने आते भी हैं, परन्तु समाज के स्तर पर कोई मंच हमारे पास नहीं है। 'वैचारिक मंथन' के अन्तर्गत इसका कोई समुचित हल निकाला जाये।

— भार्गव पत्रिका सम्पादक मण्डल की ओर से

खुशखबरी! **खुशखबरी!** **खुशखबरी!**

छीतरमल शिवजी ट्रस्ट, रेवाड़ी के भार्गव मार्केट कॉम्पलेक्स, बावल चौक, रेवाड़ी में बनाई गई नई 12 दुकानों को किराए पर लेने का सुनहरा अवसर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) द्वारा भार्गव मार्केट कॉम्पलेक्स, (रिवाड़ी का सबसे महत्वपूर्ण commercial केद्र), बावल चौक, रेवाड़ी हरियाणा) में 12 नवनिर्मित दुकानों को खुली बोली द्वारा अधिकतम दान एवं किराए के आधार पर दी जाऐंगी।

क्र.सं.	संख्या	दुकान नंबर	दान हेतु न्यूनतम धनराशि (रुपये)	न्यूनतम मासिक किराया (रुपये)
1.	2	43 to 44 (18' x 9')	12,00,000/-	2,500/- प्रत्येक दुकान
2.	8	52 to 59 (22' x 12')	10,00,000/-	2,500/- प्रत्येक दुकान
3.	1	51 (28' x 7.1')	7,00,000/-	2,000/- प्रत्येक दुकान
4.	1	60 (22' x 5'6”+ 6'6" x 5')	6,00,000/-	2,000/- प्रत्येक दुकान

बोली की मुख्य शर्तें :-

(1) बोली खुली आधार पर होगी। (2) बोलीदाता को बोली देने से पहले निर्धारित आवेदन पत्र के साथ जमानत राशि 25,000 रुपये नकदी अथवा बैंक ड्राफ्ट 'Akhil Bhartiya Bhargava Sabha A/c Chittarmal Shivji Trust, Rewari' के नाम में जमा करानी होगी। (3) सफल बोली दाता को कुल राशि का 25% भाग मौके पर बोली समाप्त होते ही बैंक ड्राफ्ट अथवा नकद में जमा कराना होगा। शेष 75% राशि 10 दिन के अन्दर अखिल भारतीय भार्गव सभा के नाम बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा करानी होगी, अन्यथा एलाटमैंट के समय जमा करायी गयी 25% धनराशि जब्त कर ली जायेगी। (4) सफल बोली लगााने वाले को अखिल भारतीय भार्गव सभा के साथ 30 दिन के अन्दर इकरारनामा करना होगा तभी दुकान का कब्जा दिया जायेगा तथा बिना कारण बताये बोली को अस्वीकार करने का पूरा अधिकार केन्द्रीय जायदाद समिति, अखिल भारतीय भार्गव सभा को होगा। (5) किरायानामा की शर्तें उपलब्ध हैं जिसपर बोली के समय बोलीदाता पढ़कर अपनी लिखित सहमति देगा, तभी सम्बन्धित व्यक्ति बोली लगा सकता है। (6) अन्य शर्त किसी भी कार्य दिवस में निम्न मोबाइल पर समय निर्धारित करके निम्नलिखित के कार्यालय में आकर देख सकते हैं:-

हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)
जी-197, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076
मो. 9811009294

परमेश्वर नाथ भार्गव, सचिव
रेवाड़ी जायदाद प्रबन्धक समिति
एवरेस्ट मैटल्स, झज्जर रोड, रेवाड़ी-123401
मो. 09812061010

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी, कोटा, के निधन पर अर्पित श्रृद्धांजलियाँ

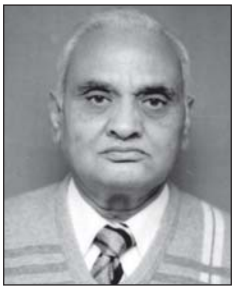

(23.3.1938 - 5.3.2011)

श्री रमेश चन्द्र जी के आकस्मिक निधन पर भार्गव महिला सभा, कोटा श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

श्री रमेश चन्द्र का जन्म 20.3.1938 को बीकानेर में, माता गेंदा देवी एवं पिता मुरारी लाल के यहाँ हुआ। आपने इन्टर तक की शिक्षा बीकानेर से, तथा बी.कॉम. एवं एम.कॉम. जयपुर के महाराजा कालेज से पास की।

1960 में आपकी नौकरी जयपुर में जनगणना विभाग में लगी। 1960 में ही आपका विवाह दिल्ली निवासी श्री विशम्भर दयाल की पुत्री सरोज से हुआ। जिनसे आपको एक पुत्र व एक पुत्री की प्राप्ति हुई। पुत्र श्री आलोक कोटा में डी.सी.एम. में कार्यरत एवं पुत्रवधू श्रीमती सुजाता हैं। जिनसे आपको ख्याती तथा यामिनी दो पोतियाँ एवं हर्षित पोता है। पुत्री श्रीमती अलका तथा दामाद श्री संजय मुम्बई में बी.पी.सी.एल. में डिप्टी जनरल मैनेजर के पद पर आसीन हैं। जिनसे आपको दोहिता अभिषेक एवं दोहिती अनुभा हैं।

1994 में आप जनगणना विभाग में डिप्टी डायरेक्टर के पद से रिटायर हुये। 1996 में आप चण्डीगढ़ चले गये जहाँ आपने अमोनिया सप्लाई कम्पनी में 10 वर्ष तक रीजनल मैनेजर के पद पर कार्य किया।

आपका भार्गव सभा में सक्रिय योगदान रहा। अखिल भारतीय भार्गव सभा का संविधान बनाने में आपका अहम योगदान था। आप संविधान सुधार समिति के संयोजक भी रहे। अखिल भारतीय भार्गव सभा में आपने चुनाव अधिकारी के रूप में कई सत्र निष्पक्ष रूप से चुनाव भी करवाये। जयपुर में आपने दो बार अखिल भारतीय भार्गव सभा का अधिवेशन करवाया तथा आयोजन समिति के सचिव रहे। बीमारी की वजह से आप 2006 में पुत्र आलोक के पास कोटा आ गये। 5 मार्च 2011 को 73 वर्ष की उम्र में रात 11 बजे आपका देहान्त हुआ।

अपने सुविचारों से आप सबको जुगनू की तरह रोशनी दिखाते रहे। हमारी भगवान से प्रार्थना है कि अब वह आकाश में तारे की तरह रोशनी प्रदान करते रहें। भगवान सभी परिजनों को इस अपूर्ण क्षति को सहने की क्षमता प्रदान करें।

शारदा भार्गव भवन, कोटा **डा. अन्नपूर्णा भार्गव,** सचिव, कोटा भार्गव महिला सभा

• • •

आदरणीय भाई साहब के निधन का समाचार सुनकर मुझे अत्यधिक दुःख हुआ है। प्रभु की यही इच्छा रही होगी, इसे हमें नतमस्तक होकर स्वीकार करना ही होगा।

एक विनम्र, मृदुभाषी, चिन्तनशील एवं दृढ़ इच्छा शक्ति वाले व्यक्तित्व के रूप में श्रद्धेय भाई साहब से मेरा बहुत पुराना परिचय रहा है। मेरे मन में सदैव उनके प्रति आदर रहा है।

भार्गव सभा के स्तर पर जब कभी भी मुझे किसी गूढ़ विषय पर उनकी सलाह की आवश्यकता हुई, वह उनसे तत्पर मिलती रही। भार्गव सभा की कार्यकारिणी समिति के चुनाव जैसे चुनौतीपूर्ण दायित्व को उन्होंने अनेकों बार निर्विवाद रूप से बखूबी निभाया और उनके द्वारा सम्पादित प्रक्रिया पर कभी भी किसी तरह का आक्षेप अथवा आपत्ति सुनने को नहीं मिली। किसी भी समाज में ऐसे मनीषियों को उनकी अमूल्य सेवाओं के लिए सदैव स्मरण किया जाता रहेगा। परम्पिता परमात्मा से प्रार्थना है कि परिवार जनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

मनमोहन कुमार भार्गव, प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी, कोटा, के निधन पर अर्पित श्रृद्धांजलियाँ

अखिल भारतीय भार्गव सभा के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण श्री रमेश चन्द्र भार्गव के आकस्मिक निधन पर विनम्र श्रृद्धांजली अर्पित करते हैं।

भार्गव सभा में विभिन्न स्तरों पर एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी के रूप में आदरणीय श्री रमेश जी की निस्वार्थ सेवाओं तथा अनेक जटिल और महत्वपूर्ण विषयों पर सुझाव एवं मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहा तथा भार्गव सभा एवं समाज में आपकी बहुमूल्य सेवाऐं सदैव अविस्मरणीय रहेंगी।

हम सभी भगवान से प्रार्थना करते हैं कि शोकाकुल परिवारजनों को इस दु:ख को सहन करने की असीम शक्ति प्रदान करे एवं दिवंगत आत्मा को स्वर्ग में निवास प्रदान करे। हम सबकी ओर से ...

हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

• • •

आदरणीय, स्नेही रमेश चन्द्र भाई साहब (कोटा) के निधन का समाचार आधी रात को मिला तो लगा कि हमारे सिर से प्यार भरा हाथ हट गया, जिन्होंने केवल हमें ही नहीं अपितु अपने विस्तृत परिवार, समाज सभी को अपने आत्मीय व्यवहार से सबको बाँध रखा था। जयपुर प्रवास के समय जयपुर समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभायी। जयपुर समाज द्वारा निर्मित "महर्षि भृगु सदन" की भूमि प्राप्ति, स्थापना एवं निर्माण में आपकी सक्रिय भूमिका रही थी। जयपुर भार्गव सभा के संविधान निर्माण में भाई साहब सक्रिय थे तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा एवं अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा का भी संविधान हेतु मार्गदर्शन किया।

जनगणना में उत्तम, अनुशासित कार्यों के लिए राष्ट्रपति द्वारा रजत पदक तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया।

शान्त, गरिमामय व्यक्तित्व भाई साहब ने 'शताब्दी समारोह' के सचिव का दायित्व निभाया तथा कई वर्ष चुनाव अधिकारी की जिम्मेदारी वहन की। लगभग 35 वर्ष समाज की सेवा की।

यद्यपि कुछ समय से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था फिर भी अपनों का होना ही विश्वास का मजबूत सम्बल होता है। भगवान उनकी आत्मा को चिर शान्ति दे तथा समस्त परिवार, सम्बन्धियों ईष्ट मित्रों को असीम दु:ख सहने की शक्ति दे। हमारे पास तो बस ...... तिलक नगर का घर ... और उससे जुड़ी अविस्मरणीय यादें हैं जो जीवन पर्यन्त साथ रहेंगी।

लक्ष्मी भार्गव, अध्यक्ष, अ.भा.भार्गव महिला सभा — **डा. प्रदीप भार्गव**, उप प्रधान, अ.भा. भार्गव सभा

• • •

आदरणीय श्री रमेश चन्द्र भार्गव के आकस्मिक निधन पर जयपुर भार्गव सभा हार्दिक शोक प्रकट करती है तथा परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवगंत आत्मा को परम्धाम में शान्ति प्रदान करें। एवं उनके परिजनों ईष्टमित्रों को इस असहनीय दु:ख को सहन करनें की शक्ति प्रदान करें।

परमपिता परमेश्वर ने श्री रमेश चन्द्र भार्गव को अदभुत समाज सेवी के रूप में इस धरा पर भेजा था ऐसे समाज सेवी की सेवायें अचानक समाप्त हो जायेगी यह सोच कर मन को बहुत कष्ट होता है आप ने समाज के लिए जो योगदान दिया वह समाज कभी नही भुला पायेगा।

जयपुर भार्गव सभा की कार्यकारिणी तथा समस्त भार्गव परिवार की ओर से श्रृद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

विनोद भार्गव, सचिव, जयपुर भार्गव सभा
एवं समस्त जयपुर भार्गव परिवार

स्व. श्री रमेश चन्द्र जी, कोटा, के निधन पर अर्पित श्रृद्धांजलियाँ

प्रसिद्ध समाज सेवी श्री रमेश भार्गव के आकस्मिक निधन पर हम हार्दिक शोक प्रकट करते हैं और परम्पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को परम्धाम में शान्ति प्रदान करे तथा उनके परिजनों व ईष्ट मित्रों को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

आप विगत 35 वर्षों से अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यों से जुड़े रहे। आप शिक्षा उपसमिति, समाज सुधार उपसमिति के अध्यक्ष पद के उत्तरदायित्वों का प्रशंसनीय रूप से निर्वाह करते रहे हैं। अखिल भारतीय भार्गव सभा के चुनाव अधिकारी के रूप में आपकी सेवाऐं सराहनीय रही हैं।

आपने जयपुर की स्थानीय सभा में उपाध्यक्ष, मंत्री व सह मंत्री के पदों पर कई वर्षों तक कार्य किया है। आपने वर्ष 1985 में जयपुर भार्गव सभा स्वर्ण जयन्ती एवं भार्गव सभा शताब्दी समापन समारोह समिति के मंत्री पद के गुरूत्तर दायित्व को वहन किया है।

भारत सरकार ने आपके उत्कृष्ट कार्य हेतु आपको वर्ष 1985 में होनोलूलू (यू.एस.ए.) में आयोजित जनसंख्या सम्बन्धित अर्न्तराष्ट्रीय सेमीनार में सरकार के प्रतिनिधि के रूप में चयनित किया।

ऐसी महान आत्मा को हम अश्रुपूरित श्रद्धांजली अर्पित करते हैं।

प्रमोद भार्गव,
पूर्व उप प्रधान, अ.भा. भार्गव सभा एवं
पूर्व अध्यक्ष, जयपुर भार्गव सभा

सी-32 बी, पीयूष पथ, बापू नगर
जयपुर-302015

श्रद्धाँजली

स्व. श्री पवन कुमार, कोलकाता

(3.11.1951 – 26.1.2011)

श्री पवन कुमार (सुपुत्र स्व. परमानन्द एवं स्व. श्रीमती शीलारानी के ज्येष्ठ पुत्र) पाँच साल की उम्र में रिवाड़ी छोड़कर कोलकाता आ गये। उनकी शिक्षा रिवाड़ी से आरम्भ होकर आगरा एवं कोलकाता में पूर्ण हुई। छोटी उम्र से ही व्यवसाय में लग गये। कर्मठता एवं श्रमशीलता उनका विशिष्ट गुण था। हँसना-हँसाना और सबका मन मोह लेना उनका स्वभाव था। 1 फरवरी 1979 में उनका विवाह बनारस की श्रीमती सन्ध्या के साथ सम्पन्न हुआ। स्थानीय सभा की बैठकों में होने वाली अन्ताक्षरी का यह युगल पर्याय बन गया था। उनके दो पुत्र व एक पुत्री हैं।

वर्ष 1997 में अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी समिति की कोलकाता में हुई बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों के ठहरने एवं खानपान की व्यवस्था में श्री पवन का अविस्मरणीय विशेष योगदान रहा। वर्ष 2008 से अब तक वे स्थानीय सभा के सभापति रहे। उनके कार्यकाल में पुन: अक्तूबर-नवम्बर 2009 में अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी समिति की बैठक अत्यन्त सफलता के साथ सम्पन्न हुई। अपने आतिथ्य सत्कार एवं विशिष्ट खानपान व्यवस्था से उन्होंने समस्त भार्गव बन्धुओं के हृदय में अमिट छाप छोड़ी है। वे स्पष्टवादी, सरल हृदय एवं सबके प्रिय थे। उनका असामयिक निधन कोलकाता वासियों के लिये अपूर्णनीय क्षति है।

कुमकुम भार्गव, सचिव, कोलकाता भार्गव सभा

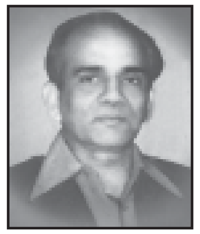

स्व. जवाहर लाल

श्री परशुराम व्रत-पर्व पत्रिका (49वाँ संस्करण)

(विश्व पंचांग पर आधारित) • (सम्वत् 2068 / वर्ष 2011 - 2012)

संस्थापक : स्व. जवाहर लाल भार्गव (2 अक्टूबर,1926 - 19 जनवरी,1985)

सम्पादिका: श्रीमती प्रभा भार्गव, 95/25बी, पुराना गणेशगंज, लखनऊ, फोन 2682400

(स्व. श्रीमती फूल कुमारी एवं स्व. सत्यनारायण भार्गव की स्मृति में प्रकाशित)

विवाह-मुहूर्त : 1 मई से 11 जुलाई, 2011 तक, 18 नवम्बर से 15 दिसम्बर 2011 तक तथा 15 जनवरी, 2012 से 11 मार्च 2012 तक।

स्व. श्री सत्य नारायण एवं
स्व. श्रीमती फूलकुमारी भार्गव

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
	चैत्र (शुक्ल पक्ष)	
सोम	4 अप्रैल	संवत्सरारम्भ
		नवरात्रारम्भ
बुध	6 अप्रैल	गण-गौर तृतीया
सोम	11 अप्रैल	दुर्गा अष्टमी
मंगल	12 अप्रैल	रामनवमी
बृह.	14 अप्रैल	एकादशी (कामदा)
शुक्र	15 अप्रैल	प्रदोष
रवि.	17 अप्रैल	पूर्णिमा (व्रत)
सोम	18 अप्रैल	पूर्णिमा (स्नान)
	वैशाख (कृष्ण पक्ष)	
बृह.	28 अप्रैल	एकादशी (बरूथनी)
शनि	30 अप्रैल	प्रदोष
मंगल	3 मई	अमावस्या
	वैशाख (शुक्ल पक्ष)	
शुक्र	6 मई	अक्षय तृतीया (श्री परशुराम जयन्ती)
शुक्र	13 मई	एकादशी (मोहिनी)
रवि	15 मई	प्रदोष
मंगल	17 मई	पूर्णिमा

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
	ज्येष्ठ (कृष्ण पक्ष)	
शनि	28 मई	एकादशी (अचला)
सोम	30 मई	सोम प्रदोष
बुध	1 जून	वट-सावित्री-व्रत अमावस्या
	ज्येष्ठ (शुक्ल पक्ष)	
शनि	11 जून	गंगा दशहरा
रवि	12 जून	एकादशी (निर्जला)
सोम	13 जून	सोम प्रदोष
बुध	15 जून	पूर्णिमा (व्रत-स्नान)
	आषाढ़ (कृष्ण पक्ष)	
सोम	27 जून	एकादशी (योगिनी)
मंगल	28 जून	प्रदोष
शुक्र	1 जुलाई	अमावस्या
	आषाढ़ (शुक्ल पक्ष)	
रवि	3 जुलाई	रथयात्रा
शनि	9 जुलाई	बडल्ला नवमी
सोम	11 जुलाई	एकादशी (हरिशयनी)
मंगल	12 जुलाई	प्रदोष

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
बृह.	14 जुलाई	पूर्णिमा (व्रत)
शुक्र	15 जुलाई	**गुरु पूर्णिमा** (स्नान)
	श्रावण (कृष्ण पक्ष)	
सोम	18 जुलाई	चतुर्थी (बैल चौथ)
बुध	20 जुलाई	**नागपंचमी** (भार्गवों में)
रवि	24 जुलाई	शुक्रास्त
मंगल	26 जुलाई	एकादशी (कामदा)
बृह.	28 जुलाई	प्रदोष
शनि	30 जुलाई	अमावस्य(हरियाली)
	श्रावण (शुक्ल पक्ष)	
मंगल	2 अगस्त	तीज हरियाली(झूला)
बृह.	4 अगस्त	**नागपंचमी** (गुड़िया)
मंगल	9 अगस्त	एकादशी (पुत्रदा)
बृह.	11 अगस्त	प्रदोष
शनि	13 अगस्त	**रक्षाबंधन**
	(भद्रा मध्यान 12.07 तक)	पूर्णिमा (व्रत-स्नान)
	भाद्रपद (कृष्ण पक्ष)	
सोम	15 अगस्त	ओक द्वादशी
मंगल	16 अगस्त	कजरी तीज
बुध	17 अगस्त	बहुला चौथ
शुक्र	19 अगस्त	हलषष्ठी

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
रवि	21 अगस्त	**जन्माष्टमी**
बृह.	25 अगस्त	एकादशी (जया)
शुक्र	26 अगस्त	प्रदोष
सोम	29 अगस्त	अमावस्या
	भाद्रपद (शुक्ल पक्ष)	
बुध	31 अगस्त	हरितालिका तीज
		(श्री चरणदास जयंती)
शुक्र	2 सितम्बर	**ऋषि पंचमी/भ्रातृ पंचमी**
बृह.	8 सितम्बर	एकादशी (पद्मा)
शुक्र	9 सितम्बर	प्रदोष
रवि	11 सितम्बर	अनन्त चतुर्दशी
सोम	12 सितम्बर	पूर्णिमा (व्रत-स्नान)
		श्राद्ध आरम्भ
	आश्विन (कृष्ण पक्ष-श्राद्ध पक्ष)	
मंगल	13 सितम्बर	प्रतिपदा श्राद्ध
बुध	14 सितम्बर	द्वितीया श्राद्ध
बृह.	15 सितम्बर	तृतीया श्राद्ध
शुक्र	16 सितम्बर	चतुर्थी श्राद्ध
शनि	17 सितम्बर	पंचमी श्राद्ध
		(विश्वकर्मा पूजा)

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
रवि	18 सितम्बर	षष्ठी श्राद्ध
सोम	19 सितम्बर	सप्तमी श्राद्ध
मंगल	20 सितम्बर	अष्टमी श्राद्ध
बुध	21 सितम्बर	मातृ नवमी श्राद्ध
बृह.	22 सितम्बर	दशमी श्राद्ध
शुक्र	23 सितम्बर	एकादशी श्राद्ध **(इन्दिरा एकादशी व्रत)**
शनि	24 सितम्बर	द्वादशी श्राद्ध
रवि	25 सितम्बर	त्रयोदशी श्राद्ध (प्रदोष)
सोम	26 सितम्बर	चतुर्दशी श्राद्ध
मंगल	27 सितम्बर	अमावस्या (पितृविसर्जनी)
आश्विन (शुक्ल पक्ष)		
बुध	28 सितम्बर	**शारदीय नवरात्रारम्भ**
बृह.	29 सितम्बर	शुक्रोदय
मंगल	4 अक्टूबर	दुर्गा अष्टमी
बुध	5 अक्टूबर	महानवमी
बृह.	6 अक्टूबर	**विजयादशमी (दशहरा)** **(हेमचन्द्र जयन्ती)**
शुक्र	7 अक्टूबर	एकादशी (पापांकुशा)
रवि	9 अक्टूबर	प्रदोष
मंगल	11 अक्टूबर	**शरद पूर्णिमा** (व्रत)
बुध	12 अक्टूबर	पूर्णिमा (स्नान)

वार	सन् 2011	व्रत-पर्व
कार्तिक (कृष्ण पक्ष)		
शनि	15 अक्टूबर	**करवा चौथ** (चंद्रोदय रात्रि 8 बजे)
बुध	19 अक्टूबर	**अहोई अष्टमी**
रवि	23 अक्टूबर	एकादशी (रम्भा)
सोम	24 अक्टूबर	सोम प्रदोष/ **धनतेरस**
मंगल	25 अक्टूबर	नरक चतुर्दशी/ हनुमान जयन्ती
बुध	26 अक्टूबर	**दीपावली** (अमावस्या)
(पूजन सायं 6.52 बजे से 8.48 बजे तक व रात्रि 1.19 बजे से 3.33 बजे तक)		
कार्तिक (शुक्ल पक्ष)		
बृह.	27 अक्टूबर	**अन्नकूट/ गोवर्धन पूजा**
शुक्र	28 अक्टूबर	**(भाई-दूज) भ्रातृ द्वितीया**
शुक्र	4 नवम्बर	अक्षय नवमी
रवि	6 नवम्बर	देवोत्थानी एकादशी
मंगल	8 नवम्बर	प्रदोष
बृह.	10 नवम्बर	कार्तिक पूर्णिमा (व्रत-स्नान)
मार्गशीर्ष (अगहन) (कृष्ण पक्ष)		
सोम	21 नवम्बर	एकादशी (उत्पन्ना)
बुध	23 नवम्बर	प्रदोष
शुक्र	25 नवम्बर	अमावस्या

वार	सन् 2011/2012	व्रत-पर्व
मार्गशीर्ष (अगहन) (शुक्ल पक्ष)		
मंगल	6 दिसम्बर	एकादश(मोक्षदा) **(गीता-जयंती)**
बुध	7 दिसम्बर	प्रदोष
शुक्र	9 दिसम्बर	पूर्णिमा (व्रत)
शनि	10 दिसम्बर	पूर्णिमा (स्नान)
पौष (कृष्ण पक्ष)		
मंगल	20 दिसम्बर	एकादशी (सफला)
बृह.	22 दिसम्बर	प्रदोष
शनि	24 दिसम्बर	अमावस्या
सन् 2012		
पौष (शुक्ल पक्ष)		
बृह.	5 जनवरी	एकादशी पुत्रदा
शुक्र	6 जनवरी	प्रदोष
रवि	8 जनवरी	पूर्णिमा (व्रत)
सोम	9 जनवरी	पूर्णिमा (स्नान)
माघ (कृष्ण पक्ष)		
बृह.	12 जनवरी	**संकटचौथ (सकट)**
(चन्द्रोदय रात्रि 8 बजकर 45 मिनट)		
रवि	15 जनवरी	**मकर संक्रांति**
बृह.	19 जनवरी	एकादशी (षट्तिला)
शुक्र	20 जनवरी	प्रदोष
सोम	23 जनवरी	अमावस्या (सोमवती मौनी)
माघ (शुक्ल पक्ष)		
शनि	28 जनवरी	**बसंत पंचमी**

वार	सन् 2012	व्रत-पर्व
शुक्र	3 फरवरी	एकादशी(जया)
रवि	5 फरवरी	प्रदोष
मंगल	7 फरवरी	पूर्णिमा (व्रत-स्नान)
फाल्गुन (कृष्ण पक्ष)		
शुक्र	17 फरवरी	एकादशी (विजया)
रवि	19 फरवरी	प्रदोष/ **महा शिवरात्रि**
मंगल	21 फरवरी	अमावस्या
फाल्गुन (शुक्ल पक्ष)		
बृह.	23 फरवरी	फुलेरा दोयज
बृह.	1 मार्च	होलाष्टक आरम्भ
रवि	4 मार्च	एकादशी (आमलकी)
मंगल	6 मार्च	प्रदोष
बुध	7 मार्च	पूर्णिमा (व्रत)
(होलिका पूजन सायं 5.00 बजे तक, होलिका दहन रात्रि 12.00 बजे के पश्चात्)		
बृह.	8 मार्च	पूर्णिमा (स्नान)
चैत्र (कृष्ण पक्ष)		
शुक्र	9 मार्च	**होली (रंग)**
बृह.	15 मार्च	शीतलाष्टमी
रवि	18 मार्च	एकादशी (पापमोचनी)
सोम	19 मार्च	सोम प्रदोष
बृह.	22 मार्च	अमावस्या

व्रत-पर्व पत्रिका अब वैबसाइट <www.bhargavasamajglobal.com> पर भी उपलब्ध है।

राम नवमी के अवसर पर

श्री राम नाम महिमा

''राम नाम मनि दीप धरु जहि देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बहिरहुँ जौ चाहसि उजिआर।।''

- राम नाम महामन्त्र है, राम ही परम ब्रह्म व परम तत्व है। राम तारक मन्त्र तीन अक्षरों का मेल है - र + अ + म। 'र' अक्षर रकार अग्नि बीज है, 'अ' अक्षर आनु बीज और 'म' अक्षर मकार चन्द्र बीज है। अर्थात 'राम-नाम' जपनीय और ब्रह्म तारक है। श्री राम का तेरह अक्षर का 'श्री राम जयराम जय जय राम' मन्त्र स्वयं सिद्ध मन्त्र है।
- राम नाम कलियुग में मुक्ति धाम है। यह वरदान देने वालों को भी वर देने वाला है।
- श्री शिवजी ने अपने हृदय में सौ करोड़ रामचरित्रों में से इस सार रूप 'राम-नाम' को ग्रहण किया है।
- हनुमान जी ने पवित्र राम-नाम का स्मरण करके श्री राम जी को अपने वश में किया है। चारों युगों में, तीनों कालों में, तीनों लोकों में नाम को जपकर जीव शोकरहित हुए हैं। राम-नाम अमंगलों का भी मंगल कारक है।
- आज भी राम सामयिक है। श्री राम का गिद्ध, बानरों से मित्रता करना, एक सामयिक दृष्टिकोण है।
- पर्ण-कुटि का निर्माण करना, शबरी के झूठे बेर खाना, राम-नाम के प्रेम का अनूठा उदाहरण है।
- पशु-पक्षियों से प्रेम करना, वनों के महत्व को प्रमुखता देना, आज भी पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक है।
- प्रेम की प्राकाष्ठा में जाति-पाति का न होना, आज भी प्रासंगिक है।
- केवट से विनम्रता से पेश आना, विनम्रता व क्षमाशीलता भगवान राम की मानस में दृष्टव्य है।
- अस्पृश्यता, जाति व्यवस्था जैसी कुरीतियों पर प्रहार वर्तमान में भी आवश्यक है।
- विभीषण को राजा बनाना, धर्म तथा यज्ञ की सुरक्षा हेतु राक्षसों का संहार करना, जनसमुदाय के समक्ष आदर्श प्रस्तुत करना भी समसामयिक है।
- रावण, कुम्भकरण, मेघनाथ, बालिवध आदि आतंकियों पर विजय पाना जैसे उदाहरण आज भी प्रासंगिक हैं।

वर्तमान समय में संसार दु:ख एवं अशान्ति की भीषण ज्वाला से जल रहा है। भौतिकता की दौड़ में विनाश के लिये सम्पत्ति खर्च की जा रही है। विज्ञान की शक्ति पृथ्वी के विकास के साथ-साथ शमशान के रूप में परिणत करने में लगी हुई है।

जगत में सुख-शान्ति एवं प्रेम के प्रसार हेतु राममय होना आवश्यक है। 'राम' मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। आदर्श गृहस्थ जीवन, आदर्श राजधर्म, पारिवारिक जीवन, पतिव्रत धर्म, भ्रातृ धर्म, भक्ति ज्ञान, त्याग-वैराग्य व सदाचारी जीवन के आदर्श उदाहारण हैं। उनका जीवन आज भी अनुकरणीय है। राम से बड़ा राम का नाम है। प्रेम पूर्वक नाम के स्मरण मात्र से सेवक को सपने में भी चिन्ता नहीं सताती। अत: राम नाम जपनीय व स्मरणीय है:-

मोहमूल बहु सूल पद त्यागहु तम अभिमान। भजहु राम रघुनायक कृपा सिंधु भगवान।।
ब्रह्म राम ते नामु बड़ बर दायक बर दानि। रामचरित सत कोटि मह लिय महेस जियं जानि।।

श्रीमती वीणा भार्गव (धर्मपत्नी श्री विनोद बिहारी भार्गव)
331, गाँधी नगर, स्कीम नं. 8, अलवर (राजस्थान)

Career Development Sub-Committee

(Akhil Bhartiya Bhargava Sabha)

The Career Development Sub-Committee organised a **Bhargava Genius Quiz** in two categories on the 25.12.2010 at Sanskritik Sankul, Varanasi.

The two categories were Classes (9, 10, 11 & 12) and (Graduates & Post Graduates).

The participation in the Quiz was overwhelming with about 50 participants in both categories.

The quiz was designed by Mr. Anil (Jaipur) and was conducted with the help of Mr. Arun (Kanpur). The participants were blessed by the gracious presence of Mr. Suneet (Agra) who addressed the participants and talked about the relevance of such programs.

The winner in the Class 9, 10, 11 & 12 category was Master Sanchit (S/o Mrs. Poonam-Mr. Sharad, Saharanpur).

The winner in the Graduates & Post Graduates category was Mr. Saurabh (S/o Mrs. Rekha-Mr. Kapileshwar Sahay, Kanpur).

The winners were awarded Rs. 2100/- each along with a Certificate.

This was an initiative taken by the Sub-Committee after successfully completing four Career Counseling Workshops across four cities in the two year tenure.

1886, Sec.23, UE, Gurgaon-122007, (M) 09811516815 **Dr. Nalini Bhargava**, Secretary

Archat Devi Mandir Vikas Samiti

Stone Laying Ceremony of Archat Devi Mandir Road

It is of immense pleasure that the “Stone Laying or Muhurat Ceremony of the Black Topping (Bitumen Cover) of the road upto the Archat Devi Mandir on the hillock in the village Bambora from Hanuman Mandir on the Alwar-Delhi via Bhiwadi State Highway near Kishangarh Bas (Alwar) was performed by Shri Ramhet Ji Yadav, local MLA on 13.3.2011 in presence of a large gathering of local villagers, Samiti’s President Shri R.N. Bhargava, and Treasurer Shri O.P. Bhargava and other Executive Members. The Samiti and local villagers conveyed their gratitude and thanks to Shri Yadav for getting the sanction of Rs 4.5 lacs for Black Topping of the road from the Government of Rajasthan. It is due to continuous support of Shri Yadav that the Samiti is able to get the help from the local Panchayat for the development of the Temple area. At first the village representatives honoured the MLA, the Samiti’s members and other dignitaries by presenting turbans on the occasion.

13/256, Mehtab Singh Ka Nohra, Alwar, **Mathura Prasad Bhargava**
Mob. 09414445571 Secretary

हमारे समाज में आज ऐसे एक नहीं, अनेकानेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने–अपने क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं, वरन अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा अर्जित की है। उनकी विशेषज्ञता का लाभ सम्पूर्ण देश और विदेशों को हो रहा है, किन्तु हमारे समाज के अनेक युवक–युवतियाँ उनके विशद ज्ञान से लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं।

Young Talented Achievers of Bhargava Community

Who they are; What they are; Where they are

Anup Bhargava joins CESC as President - "New Business Development"

Mr. Anup Bhargava (born on 17th Feb. 1964) son of Mr. Prem Narain & Mrs. Asha (New Delhi) was appointed at "CESC" — as President "New Business Development ", from 1st March, 2010.

An Electrical Engineer from Zakhir Hussain College of Engg. & Tech. 1987 Batch Aligarh, Anup is a well known Business Manager in the Asia-Pacific Power & Utility Industry.

Prior to joining CESC, he had worked with various multinational companies for over 24 years in Asia-Pacific region in the Power Sector. Anup started his career from BHEL in India and recently was "Asia Commercial Director - GE Power & Water", based in Singapore.

Anup has also been very active in Singapore, and was Founder Member of India club, President Instrumentation & Control Society of Singapore and was recently conferred on "Fellow" for his contribution to Instrumentation & Control Profession.

Now, Anup has been relocated to Kolkata, with his wife Jaishree & younger son Aman. Elder son Abhinav will join Karlsruhe Institute of Technology for B.Sc. in Mechanical Engineering, and has moved to Germany. Abhinav recently passed Cambridge A level exam with 5 distinctions, and has various awards in Singapore level Physics and Economics challenge.

Anup will lead and manage CESC's rapid growth & expansion as President - New Business Development, responsible for developing mining and electricity distribution franchisee business, and creating a strategic blue print for growth into new areas in the infrastructure space Water/Wastewater, Airports, Highways in line with Sanjiv Goenka's plan for expansion.

Contact : **Prem Narain Bhargava**, EC-185, Maya Enclave, New Delhi-110064, Mob.: 09810794980

भार्गव पत्रिका के इस अंक से हम एक नया स्तम्भ प्रारम्भ करने जा रहे हैं। आशा है पाठकगण, विशेषकर हमारे विचारकगण, इस प्रयास का तुलनात्मक अध्ययन कर हमें आगे के लिए अपनी सलाह देंगे तथा अन्य अनेक **young talented achievers** के विषय में हमें सामग्री एकत्रित कर भेजेंगे।

स्व. पं. मुकुट बिहारी लाल भार्गव के आदर्शों को जीवन में उतारें

भजनों की रस धारा के बीच पुस्तक का लोकार्पण

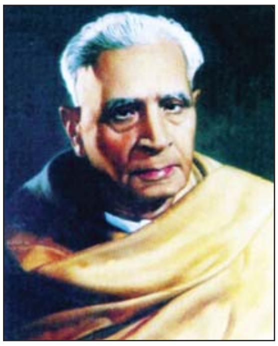

प्राकृत भारती अकादमी की ओर से राजस्थान की विभूतियाँ स्वतन्त्रता सेनानी एवं समाज सेवी श्रृंखला में प्रकाशित पुस्तक राष्ट्रनिष्ठ शिखरों के आरोही **पं. मुकुट बिहारी लाल भार्गव जीवन चरित्र एवं विचार** का रविवार को मानसरोवर स्थित आई.आई.आई.एम. सभागार में लोकार्पण भजनों की रसधारा के बीच हुआ। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल न्यायाधिपति अंशुमान सिंह ने किया। लोकार्पण स्व. भार्गव के पड़पोतों ने करवाया। इस अवसर पर पुस्तक की सम्पादिका श्रीमती ऊषा गोयल, विशिष्ठ अतिथि न्यायाधिपति दलीप सिंह, प्राकृत अकादमी के अध्यक्ष डी.आर.मेहता एवं समारोह संयोजक न्यायाधिपति एस.एन. भार्गव उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि जस्टिस अंशुमान सिंह ने अपने सम्बोधन में स्व. पं. मुकुट बिहारी लाल के साथ बीते लम्हों को संस्मरण के रूप मे सुनाते हुये कहा कि वह उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने लोगों को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि न्यायाधिपति दलीप सिंह ने स्व. मुकुट को देश का चिन्तक बताते हुये कहा कि वह उनके बताए दिशानिर्देश पर ही कार्य करते हैं। उन्होंने स्व. मुकुट बिहारी लाल की पुस्तक को शालाओं की पाठ्य पुस्तकों में अध्याय के रूप में जोड़ने का सुझाव दिया। प्राकृत अकादमी के अध्यक्ष डी.आर. मेहता ने स्व. मुकुट बिहारी लाल भार्गव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा उनकी विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला। पुस्तक की सम्पादिका श्रीमती ऊषा गोयल ने पुस्तक के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी।

समारोह के प्रारम्भ में भजन सन्ध्या का आयोजन हुआ जिसमें भजन गायक पं. जगदीश शर्मा ने भजनों की सरस गंगा में बहाकर सभी को भक्तिभाव से जोड़ा। गायक शर्मा ने गुरु वन्दना व गणेश वन्दना से अपना गायन शुरू किया। इसके बाद भजन वैष्णों वजयन्तो तेने कहिए जे पीर पराई जाने रे, जय माधव मदन मुरारी, मदन गोपाल शरण तेरी आयो, जिनके हृदय श्रीराम बसे एवं चंदरिया झीनी रे झीनी को सुना श्रोताओं को झुमाया। अन्त में रामधुनी रघुपति राघव राजा राम सुना भजन सन्ध्या को विराम दिया। समारोह के प्रारम्भ में अतिथियों ने स्व. पं. मुकुट बिहारी लाल की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम संयोजक न्यायाधिपति एस.एन. भार्गव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लाइफ इन महानगर

कहीं नहीं सुनाई देती -
आवाजें गायों के रम्भाने की
या बैलों के गले की घंटी की
या टगबग टगबग तागों और इक्कों की
ना ही दिखती है कहीं -
उछल कूद बछड़ों की या धुंध गौधूली की
हरी हरी दूब पर चिड़ियाओं की
चहचाहट भी कम हो गई
दाना चुगते मोर व कबूतर भी दिखते कहीं नहीं
अब तो बस दिखती हैं अट्टालिकाएँ
जहाँ दिन भर की भागम-भाग के बाद
आदमी होकर रह गया है बन्द
केवल अपने अपार्टमेन्ट में
ऊपर नीचे अगल-बगल में
कौन रहता है उसे पता नहीं
न उसमें हिम्मत है नीचे झाँकने की
जहाँ कचरे के ढेर पर आवाजें हैं
कुत्तों के गुर्राने और भोंकने की,
या मैट्रो और ट्राम की खटाखट,
ऑटो, कारें व बसों की पौं-पौं,
धुँआ और धुँध जिसमें मुश्किल हो गया है
सिर उठाना व सांस लेना आदमी का

मथुरा प्रसाद भार्गव, 13/256 महताब सिंह का नौहरा, अलवर, मो. 09414445571

श्री किशोरी रमण भार्गव - स्व. श्रीमती राजदुलारी भार्गव, जयपुर पुरस्कार निधि - राशि रुपये 1.00 लाख

श्री किशोरी रमण एवं स्व. श्रीमती राजदुलारी भार्गव

श्री किशोरी रमण भार्गव, ए-II, 307-308 नगर रेजिडेन्सी, मालवीया नगर, जयपुर (मो.) 09928795595 ने अपनी पत्नी स्व. श्रीमती राजदुलारी भार्गव (जन्मदिन 26 सितम्बर) की पुण्य स्मृति में 1,00,000/- रुपये उपरोक्त निधि स्थापित करने हेतु अखिल भारतीय भार्गव सभा को दिये हैं। अर्जित ब्याज की राशि किन्हीं दो जरुरतमंद मेधावी छात्राओं को इंजिनियरिंग अथवा मेडिकल शिक्षा हेतु प्रवेश पाने पर पुरस्कार स्वरुप दी जायेगी। विचार है कि उक्त निधि को आगे बढ़ाकर 2.00 लाख की जाये।

श्रीमती राजदुलारी भार्गव का जन्म बीकानेर (राजस्थान) में हुआ था। उनके पिता स्व. राम नारायण भार्गव एवं माता श्रीमती चमेली देवी भार्गव थे। पति श्री किशोरी रमण भार्गव, ज्वाइन्ट डाईरेक्टर (कृषि विभाग, राजस्थान सरकार) के पद से सेवानिवृत्त हुये हैं।

उनके ज्येष्ठ पुत्र (1) श्री अशोक भार्गव बैंगलोर में आई.टी. कन्सल्टैन्ट हैं। इनकी पत्नी श्रीमती कल्पना हैं और आपके दो पुत्र रोहित एवं वैभव हैं।

दूसरे पुत्र (2) श्री आलोक भार्गव, जयपुर, स्ट्राबेरी फूड्स एण्ड बेवरेज़ेज के व्यवसाय में संलग्न हैं। इनकी पत्नी श्रीमती रुचि हैं और आपके एक पुत्र दिव्यालोक है।

(3) पुत्री श्रीमती अंजना भार्गव एक सफल गृहणी हैं, आपके पति कर्नल अनिल कुमार भार्गव आजकल दिल्ली में हैं - इनके दो पुत्री पल्लवी एवं पारुल तथा एक पुत्र अभिमन्यू हैं। कर्नल अनिल कुमार 51, अनुज विहार, राव तुलाराम मार्ग, कैन्ट, नई दिल्ली-110010 (मो.) 09968747781 में निवास कर रहे हैं।

नोट : किसी विधवा बहन की पुत्री को प्राथमिकता दी जायेगी।

सुयोग्य छात्रा के न मिलने पर ब्याज की धनराशि को अगले वर्ष के लिये बढ़ा दिया जायेगा।

Note: Selection criteria for above prize are given on next page as desired by the donor family.

Shri Kishori Raman and Smt. (Late) Raj Dulari Bhargava, Jaipur Puraskar Nidhi — Rs.1.00 lakh

<u>Selection Criterion</u>

Total points - 100 (to be distributed as under) :-

(i)	Percentage of marks in Class X	-	20
(ii)	Percentage of marks in Class XII in Physics, Chemistry and Mathematics or Biology	-	40
(iiiA)	Admission into engineering stream (20 marks for admission to IIT, 15 for National Institute of Technology/BITS/DCE and 10 for any other engineering college)	-	20
OR			
(iiiB)	Admission into medical stream (20 marks for admission to AIIMS/AFMC Pune/CMC Vellore/ JIPMER/MA & Lady Harding Medical College, Delhi, 15 for admission to Govt. Medical Colleges and 10 for any other medical college)	-	20
(iv)	Daughter of a widow	-	20
	Total	-	**100**

Parents of children would be required to send application alongwith marks sheet for Class X and XII and proof of admission to Engineering or Medical College.

With Best Compliments from:

ESS ESS ENGINEERS

Manufacturers of:

PAPER COATING & CONVERTING MACHINES

- Cast Coating, Anti-Rust Paper, Photo Paper, Release Paper, Clay Coating, Gum Coating etc.
- Sheet Cutter
- Slitter Rewinder etc.
- S.S. Colour Kitchen

Please contact:

JAGDISH BHARGAVA

Onyxe Tower, GH-25, Flat No. 303, Sector-21C-III,
Faridabad-121001 • (M): 09810234330

विजन-2020

भार्गव समाज में अखिल भारतीय भार्गव सभा एक ऐसी संस्था है जो अपने समाज के सदस्यों को एक निश्चित जीवन शैली बनाये रखने में सहयोग और प्रोत्साहन देती है, तथा समय की आवश्यकतानुसार समाज की कुरीतियों/ कमियों को दूर कर एक आदर्श समाज प्रस्तुत करने के लिये प्रयासरत रहती है। पिछले करीब 120 वर्षों में शिक्षा व मुख्यतया स्त्री शिक्षा का प्रसार, विधवा विवाह, परदा प्रथा की समाप्ति, विवाह संस्कार हेतु नियमावली (रीति संग्रह) की संरचना, आर्थिक रूप से कमजोर विधवा एवं नि:सहाय परिवारों की आर्थिक सहायता तथा शिक्षा/ टैक्नीकल शिक्षा हेतु ऋण व अनुदान देना इत्यादि सभा के कार्यों से समाज लाभान्वित होता आया है।

शिक्षा/टैक्नीकल शिक्षा, व्यवसाय व खेलकूद आदि क्षेत्रों में हम काफी अग्रणी हैं, और भविष्य उज्ज्वल दिखाई देता है लेकिन समय के बदलाव के साथ कुछ राष्ट्रीय समस्याओं जैसे जल आपूर्ति या भूगोलिक व मौसम के बदलाव आदि के अलावा समाज में अच्छाइयों के साथ-साथ कुछ आन्तरिक बुराईयां भी पनपती हैं जिन्हें प्रबुद्ध व दूरदर्श समाज भविष्य में बढ़ने से रोकने हेतु वर्तमान में ही आवश्यक कदम उठा लेता है। हमारे समाज के कुछ ऐसे ही बिन्दुओं का उल्लेख यहाँ किया जा रहा है जिन पर समाज की विभिन्न सम्बन्धित समिति/उपसमितियों में विचार कर निर्णय लेना समाज के हित में होगा।

• विवाह एक संस्कार कम और नाँच और फोटोग्राफी का एक अवसर रह गया है जिसमें संस्कार व रीति संग्रह के नियमों की खुलकर अवहेलना तथा धन व वैभव का दिखावा व अपव्यय अधिकाधिक होने लगा है। जिसे किसी समय में मुंशी नवलकिशोर जी जैसे हमारे पूर्वजों ने रोकने की पूरी कोशिश की थी। समाज के सम्पन्न तथा अग्रणी लोगों को इस प्रवृत्ति को रोकने की पहल कर सारे समाज से नियमानुसार कार्य कराने की योजना बनानी होगी।

• अखिल भारतीय भार्गव सभा तथा स्थानीय सभाओं के चुनावों में समाज सेवा के बजाय नाम व पद ग्रहण के लिये वोट की राजनीति व धन का व्यय दिनोदिन बढ़ रहा है जिससे आपस में प्रेमभाव की जगह वैमन्स्यता बढ़ती है। साधारण व आर्थिक रूप से कमजोर योग्य समाज सेवी तो पद प्राप्त करने की सोच ही नहीं सकता - चुनाव पद्धति में बदलाव की आवश्यकता महसूस होती है।

• नैतिकता व धार्मिक विचारों से दूरी बढ़ने के कारण समाज में निम्न दोष दिखाई दे रहे हैं, जिनके समाधान के लिये विचार करने की आवश्यकता है।

• घर में व समाज में बड़ों/बुजुर्गों के सम्मान में कमी।

• पाश्चात्य पहनावा व खानपान का अधिकाधिक चलन, जो अहितकर ज्यादा है।

• वैवाहिक सम्बन्धों में शादी के बाद कटुता आने के मामलों में दिनों दिन बढ़ोतरी तथा कोर्ट केस व तलाक तक नौबत आना जिससे सम्बन्धित परिवारों व युवा-युवतियों को मानसिक अशान्ति तथा धन व जीवन के स्वर्णिम समय की बरबादी होती है।

क्या सभा के माध्यम से ऐसे सन्तप्त परिवारों की सहायता की जा सकती है? यह विचारणीय है।

मथुरा प्रसाद भार्गव, 13/256, महताब सिंह का नौहरा, अलवर-301001

भार्गव सभा का इतिहास - चक्र

"भार्गव सभा का इतिहास" पुस्तक
मूल लेखकः डा. शान्ति प्रसाद भार्गव

पुनर्व्याख्या - श्री भारत रत्न भार्गव, दिल्ली द्वारा

गतांक से आगे - तीसरा भाग

इसी प्रकार आगरा, लाहौर, दिल्ली और अलवर में भी भार्गव बोर्डिंग हाउसेज की स्थापना की गई, जिनकी स्थापना, व्यवस्था और संचालन के लिये हमारे समाज के अनेक व्यक्तियों ने मुक्त हस्त से दान दिया। जो व्यक्ति प्रबन्ध संचालन की योग्यता रखते थे, उन्होंने इन छात्रालयों की देखरेख की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली। इन बोर्डिंग हाउसेज का प्रबन्ध स्थानीय समितियों के द्वारा होता था, किन्तु इनके निरीक्षण के लिये केन्द्रीय भार्गव सभा निरीक्षकों को भी नियुक्त करती थी। इनमें कुछ अत्यन्त कुशल एवं निष्ठावान निरीक्षकों के नाम इस प्रकार हैं:-

बा. राम सिंह जी (1903), पं. बिहारी लाल जी, (1914), बा. छोटे लाल जी, बी.ए. हेडमास्टर, मेरठ (1916), प्रो. सालिगराम जी व डॉ. गोपी चन्द जी (1917), प्रो. गोपाल स्वरुप जी, एम.एस.सी. (1920)

किन्तु उस समय शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा व्यवस्था उपयुक्त नहीं थी। महिलाओं में पर्दा प्रथा, बाल विवाह और रुढ़िवादिता के कारण बालिकाओं को पढ़ने लिखने का अवसर ही नहीं मिलता था। प्रतिष्ठित घरों की महिलायें भी थोड़ी बहुत हिन्दी जानती थीं और मुश्किल से चिट्‌टी-पत्री लिख पाती थीं। सन् 1881 ई. में सेठ दामोदर लाल जी, झज्झर ने भार्गव सभा जयपुर को एक पत्र लिखा, जिसमें स्त्री शिक्षा के लिये पर्याप्त अवसर जुटाये जाने के बारे में चर्चा की गई। किन्तु स्त्री शिक्षा के सम्बन्ध में कोई ठोस क़दम नहीं उठाया जा सका। वर्ष प्रतिवर्ष यह प्रस्ताव कॉन्फ्रेंस में रखा जाता, उस पर चर्चा भी होती। आलोचना-प्रत्यालोचना की बाण वर्षा भी होती किन्तु निष्फल। 1920, 1925, 1927 तक कई बार प्रयत्न किये गये लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। अन्ततः सन् 1930 में, अर्थात् मूल प्रस्ताव के 50 वर्ष बाद कन्या पाठशाला का श्री गणेश सम्भव हो सका। हमारे इतिहास के एक पृष्ठ पर इसका उल्लेख इन शब्दों में मिलता है:-

[Hkkxo lHkk dk bfrgkl] i`-125&126]

''इसके पश्चात् सन् 1927 ई. के अधिवेशन में प्रस्ताव संख्या 18 द्वारा निर्णय लिया गया कि भार्गव कन्याओं के विद्या पठन का हर शहर व कस्बे में प्रबन्ध किया जावे और जिस-जिस शहर में अपने धार्मिक नियमों के अनुसार शिक्षा के प्रबन्ध नहीं थे, वहाँ-वहाँ कन्या पाठशाला खोलने का प्रबन्ध किया जाये। जिसमें प्रारम्भिक शिक्षा व धार्मिक सिद्धान्तों के अनुसार स्त्रियों के योग्य शिक्षा प्रदान की जावे और अगर ऐसा न हो सके तो जाति के सामान्य हिन्दू धार्मिक कन्या पाठशाला की स्थापना करने का प्रयत्न करें।

यह भी निश्चय किया गया कि एक कन्या पाठशाला लड़कियों के लिये जयपुर में खोल दी जावे जिसके लिये उसी समय कुछ चन्दा भी हुआ। पं. दुलारे लाल जी ने एक साल तक किताबें देने का वायदा किया व पं. हीरा लाल जी, जयपुर ने स्लेट और कॉपियाँ हरेक भार्गव लड़की को देने का वायदा किया। इसके लिये एक कमेटी बनाई गई जो हर तीन महीने बाद भार्गव पत्रिका में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित कराया करे तथा जयपुर के सभी लोगों से भी सहायता प्राप्त करने के प्रयत्न किए जावें और फिर भी यदि कमी रहे तो भार्गव सभा से भी इमदाद ली जाये। इसके अतिरिक्त 1 जुलाई सन् 1930 ई. से भार्गव कन्या पाठशाला जयपुर को भार्गव सभा से 20/- रुपये मासिक की सहायता स्वीकृत की गई।

इसी समय एक कन्या पाठशाला रिवाड़ी में भी प्रारम्भ की जा चुकी थी जिसके लिये श्रीमती सावित्री देवी जी ने 10,000/- रुपये तक का वक्फ कर दिया था जिसके सूद से पाठशाला चलती थी।''

यह कितने आश्चर्य की बात है कि लड़कियों की पढ़ाई के लिये पाठशाला खोलने जैसे काम के लिये दान दाताओं की कमी नहीं थी, प्रबन्धकों या संचालकों का अभाव भी नहीं था, किन्तु अधिवेशनों में तर्क-कुतर्क, वाद-विवाद, आरोप-प्रत्यारोपों का दौर इतने वर्षों तक निरन्तर चलता रहा।

हमारे इतिहास का यह पृष्ठ भी हमें बहुत बड़ी शिक्षा देता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि समाज के हित में किये जा रहे प्रयत्नों और संकल्पों की आलोचना करने वाले सौ वर्ष पहले भी थे, और आज भी होंगे। किन्तु उनके विरोध और अवरोधों के कारण सत्कर्मों और सुविचारों को स्थगित नहीं किया जाना चाहिये। यही सत्‌विचार समाज की प्रगति के कारक तत्व होते हैं। निन्दा करने वालों और अवरोध उत्पन्न करने वालों को इतिहास याद नहीं रखता, केवल उन्हें याद रखता है जो समाज के हित में निरन्तर कर्मठ रुप से गतिशील बने रहते हैं।

दूसरी बात शिक्षा से सम्बन्धित है। यह अत्यन्त सन्तोष की बात है कि हमारे पूर्वजों की सोच और उनके संगठित प्रयासों के कारण सम्पूर्ण विश्व में हमारा समाज आज पूर्णत: शिक्षित और प्रतिष्ठित माना जाता है। किन्तु विगत सौ वर्षों में स्थितियाँ बहुत तेजी से बदली हैं। भूमंडलीकरण और वैज्ञानिकीकरण ने समूचे विश्व का मानचित्र बदल दिया है। पाश्चात्य संस्कृति और अति भौतिकतावादी विचारों ने हमारे समाज पर भी अपने विषदन्त गड़ा दिये हैं। एक ओर हमें अपनी संस्कृति और अपने मानवीय मूल्यों की रक्षा करनी है तो दूसरी ओर तकनीकी विकास और विशेषज्ञता की दौड़ में भी हमें पीछे नहीं रहना है। शिक्षा के क्षेत्र में हमारी चुनौतियाँ खत्म नहीं हुई हैं, केवल उनका स्वरुप बदल गया है। बदली हुई परिस्थितियों में हमें उन वीरान पड़े क्षेत्रों को चुनना है जिसे आज सही परामर्श और दिशा निर्देश की घोर आवश्यकता है।

हमारे समाज में आज ऐसे एक नहीं, अनेकानेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में राष्ट्रीय ही नहीं, वरन अर्न्तराष्ट्रीय प्रतिष्ठा अर्जित की है। उद्योग, चिकित्सा विज्ञान, तकनीकी विज्ञान, प्रबन्धन, समाज शास्त्र, दर्शन, प्रोद्योगिकी आदि विषयों के अनेक विशेषज्ञों ने हमारे सम्पूर्ण समाज को गौरवान्वित किया है। लेकिन किन्हीं कारणों से वे हमारी भार्गव सभा से प्रत्यक्षत: अपेक्षाकृत रुप से गहरे जुड़े हुये नहीं हैं। उनकी विशेषज्ञता का लाभ सम्पूर्ण देश और विदेशों को हो रहा है, किन्तु हमारे समाज के अनेक युवक-युवतियाँ उनके विशद ज्ञान से लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं।

यह भी सच है कि इस कम्प्यूटर के युग में सारे संसार की जानकारी छोटे से पर्दे पर उपलब्ध है और आज उस तरह के परामर्श या सहायता की आवश्यकता नहीं रह गई है, जैसी की सौ वर्ष पूर्व थी। इन्टरनेट के द्वारा संसार के किसी भी देश के किसी भी विश्वविद्यालय, संस्था, व्यक्ति या विचार से सम्बन्धित अनेकानेक जानकारियाँ आप घर बैठे प्राप्त कर सकते हैं। अपने भविष्य के सम्बन्ध में निर्णय करने के लिये आज की नई पीढ़ी किसी अन्य संसाधन की मोहताज नहीं।

लेकिन इसके साथ यह भी बहुत बड़ा सच है कि कम्प्यूटर से प्राप्त इन्टरनेट की सुविधा का लाभ केवल महानगरों या उन केन्द्रों के युवक-युवतियाँ ही उठा सकते हैं जो आर्थिक, बौद्धिक और पारिवारिक दृष्टि से समर्थ और सम्पन्न हैं। छोटे नगरों के मध्यमवर्गीय परिवारों के युवक-युवतियों के लिये यह प्रावधान सुलभ नहीं है।

आज की परिस्थितियों में हमें सतत् प्रयास करने चाहिये कि हमारे समाज के जो शीर्षस्थ विचारक, विद्वान, विशेषज्ञ और विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति हैं उन्हें इस सामाजिक उत्थान के महायज्ञ में सम्मिलित करें और अपने समय की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक बनें।

सबसे पहले वह प्रसंग जिसमें भार्गव सभा की स्थापना का प्रयास हुआ। यह कहा जा चुका है कि विवाह के अवसर पर मु. नवलकिशोर जी और राय सालिगराम जी के बीच हुई चर्चा ने हमारे समाज को संगठित करने की नींव रखी। हमारे समाज के इतिहास का यह प्रसंग बहुत दिलचस्प है:

[Hkkxo lHkk dk bfrgkl] i'-6]

''संस्कृत के बड़े विद्वान एवं आगरा से भृगुकुल दीपिका के प्रकाशक पं. ज्वाला प्रसाद जी की प्रेरणा से सन् 1881 ई. में जयपुर भार्गव सभा की स्थापना जाति की उन्नति एवं सामाजिक रीति रिवाजों तथा रहन-सहन के ढंग में सुधार करने के उद्देश्य से हुई। इसके प्रथम प्रेसीडेन्ट मु. कन्हैया लाल जी व सैकेट्री मु. पन्नालाल जी (नाजिम) थे। यद्यपि यह सभा जयपुर में स्थापित हुई थी, लेकिन इसके सदस्य उत्तरी भारत के अन्य स्थानों से भी थे, और वे इस सभा की गतिविधियों में विशेष रुचि रखते थे, तथा नियमित रुप से सक्रिय सहयोग भी देते थे।

मुं. गणेशी लाल जी, दादूपुर, करनाल ने अपने पत्र दिनांक 6 मार्च सन् 1882 ई. में जयपुर व मथुरा की सभाओं की सराहना की और सुझाव दिये कि:-

1. *हर नगर में जहाँ भार्गव परिवारों की पर्याप्त संख्या हो, वहाँ एक सभा स्थापित की जानी चाहिये व इन सभाओं में से एक को केन्द्रीय सभा निर्धारित की जानी चाहिये।*
2. *एक नैशनल फंड की स्थापना होनी चाहिये जिससे बेवाओं और यतीमों की सहायता एवं सम्पूर्ण जाति के कल्याण एवं उन्नति के कार्य किये जा सकें। यदि पर्याप्त धन एकत्रित हो सके तो एक कॉलेज व बोर्डिंग हाउस की भी व्यवस्था की जानी चाहिये अथवा योग्य तथा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सभा के व्यय पर व्यवहारिक व टैक्निकल शिक्षा के लिये भेजा जाना चाहिये एवं उन विद्यार्थियों को रोज़गार मिलने पर सभा के कोष में योगदान देना चाहिये।*

पं. गिरधर लाल जी, आगरा ने अपने पत्र में लिखा कि उन्हें रिवाड़ी, मथुरा व जयपुर की सभाओं की नियमावली मिली थीं। उन सबको मिलाकर एक कर लिया जाये तो बहुत उपयोगी होगा और सब लोग उसका पालन कर सकेंगे।

मुं. शिव नारायण जी रईस व ऑनरेरी मजिस्ट्रेट रिवाड़ी, निवासी मेरठ ने लिखा कि जयपुर भार्गव सभा सबसे अच्छा काम कर रही थी, क्योंकि वहाँ पर जाति में एकता थी, व सबके आपसी सम्बन्ध अच्छे थे, तथा उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि जयपुर भार्गव सभा निरन्तर इसी प्रकार कार्य करती रहेगी। उसकी प्रशंसा में उन्होंने दो पंक्तियाँ भी लिखीं, जो इस प्रकार थीं :

''क्या शाख-ए-गुल पे पफूल के बैठी है अन्दलीब,
डरता हूँ मैं न चश्म-ए-पफलक को बुरा लगे।''

निश्चयत: मुं. शिव नारायण जी ने निहायत शायराना अन्दाज में तहे दिल से जयपुर भार्गव सभा के संस्थापकों और समूचे समाज के हित में समर्पित भाव से कार्य करते रहने की उनकी लगन और निष्ठा से प्रभावित होकर ही ये शेर कहा होगा। उनकी यह आशंका कि 'सुवासित पुष्पों की शाखा पर आनन्द मग्न बैठी इस अन्दलीब (एक निहायत खूबसूरत अत्यन्त मधुर स्वरों में चहकने वाली चिड़िया के सुख पर आसमान की अदृश्य आँखों से झाँकने वाली कुत्सित वृत्तियों की नज़र न लग जाये' आखिर सच साबित हुई। कैसी विडम्बना की बात है कि जो भार्गव सभा देश की अन्य सभी स्थानीय भार्गव सभाओं के लिये आदर्श समझी जाती थी, वही केवल सौ वर्ष बाद आपसी वाद विवाद, दोषारोपण इत्यादि निन्दनीय कार्यों के कारण अपनी पूर्व की प्रतिष्ठा को समय-समय पर खो रही है।

शताब्दी वर्ष समारोह के सम्बन्ध में ये शब्द अत्यन्त विचारणीय हैं-

[Hkkxo lHkk dk bfrgkl] i'-183]

''शताब्दी वर्ष की इन गतिविधियों से समारोह समिति के मन्त्री एवं अन्य उनके सभी सहयोगी आयोजक सफलता का अनुभव कर सकते हैं; किन्तु इसी वर्ष में निम्नलिखित कतिपय ऐसी अप्रत्याशित घटनायें भी हुईं जो जाति एवं सभा की छवि को धूमिल करने के अतिरिक्त भविष्य के लिये अमंगल सूचक भी कही जा सकती हैं।''

यह अनुमान लगाया जाना कठिन नहीं है कि भार्गव सभा के इतिहासकार डॉ. शान्ति प्रसाद जी जब इन पंक्तियों को लिख रहे होंगे तो उनका हृदय कितना अधिक व्यथित और उद्वेलित रहा होगा। अपने पूर्वजों के त्याग और समर्पण को चित्रित करते समय उनके मन-मस्तिष्क में जिस गर्व का अनुभव हुआ होगा, इन पंक्तियों को लिखते समय वह न केवल खण्डित हुआ होगा, बल्कि अत्यन्त खेद, दुख और व्यथा से भर गया होगा। सम्भवत: इस प्रसंग को उन्होंने विस्तार से इसलिये लिखा है कि हमारे समाज की भावी पीढ़ियाँ इन दुर्घटनाओं से ऐसी शिक्षा ग्रहण कर सकें कि भविष्य में इस तरह की कुचेष्टाओं की पुनरावृत्ति न हो। वे आगे लिखते हैं:

[Hkkxo lHkk dk bfrgkl] i'-183&184]

'व्यक्तिगत पद लिप्सा की सन्तुष्टि के लिये चुनावी प्रक्रिया को विकृत करने के प्रयत्न सर्वप्रथम सन् 1986 ई. में अलवर में हुये सभा के वार्षिक अधिवेशन के समय देखने को मिले थे, जब कि मतदाताओं का समस्त व्यय वहन कर उन्हें चुनाव स्थल पर लाने व ले जाने का प्रबन्ध करने की दुष्प्रवत्ति दृष्टिगोचर हुई थी। उसके पश्चात् सन् 1987 ई. में दिल्ली में हुये एवं सन् 1988-89 ई. आगरा में हुये वार्षिक अधिवेशनों में तो इसका उग्र स्वरूप सामने आया, जबकि चुनावों में विजय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ही एक बड़ी संख्या में साधारण सदस्य बनवाये गये एवं केवल वोट डलवाने के लिये ही उन्हें चुनाव स्थल पर लाने व वापिस भेजने का प्रबन्ध कर दिया गया था। इन ही दो वर्षों में साधारण सदस्यों की संख्या नौ सौ तक पहुँच गई थी जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान ही नहीं अपितु एक अप्रत्याशित घटना भी थी। गत वर्षों में वार्षिक चन्दा देकर साधारण सदस्यों की संख्या औसतन पचास-साठ से अधिक कभी नहीं हुई थी, क्योंकि साधारण सदस्य वे ही लोग बनते थे जो या तो चन्दे के रुप में दी गई राशि से सभा की थोड़ी बहुत सहायता करना चाहते थे या सुविधानुसार वार्षिक अधिवेशन विशेष में भाग लेने के इच्छुक होते थे। केवल वोट डालने अथवा चुनावी प्रक्रिया को असन्तुलित करने का उनका उद्देश्य नहीं होता था। व्यक्तिगत पदलोलुपता के लिये धन का दुरुपयोग कर वोट खरीदना किसी भी संस्था के लिये हितकर नहीं कहा जा सकता है। यदि ऐसा होता भी है तो उसके दुष्परिणाम शीघ्र ही प्रकट होने लगते हैं। विशेषकर भार्गव सभा जैसी स्वयंसेवी सामाजिक संस्थाओं में यदि चुनाव योग्यता एवं सेवाओं के आधार पर न होकर वोटों की गणना के आधार पर होने लगते हैं तो उसकी भावी प्रगति पर भी प्रश्न चिन्ह लग सकता है। अतः भविष्य में इस दुष्प्रवत्ति को न पनपने देने के लिये समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सचेत रहना होगा।''

भार्गव सभा के इतिहासकार की यह आशंका भरी टिप्पणी क्या पूरी तरह निर्मूल है? अथवा पिछले 20 वर्षों में इसका स्वरूप और अधिक विकृत और घृणित हो गया है? तनिक ठहर कर इस प्रश्न पर ग़ौर करना आवश्यक सा प्रतीत होता है; क्योंकि हमारे समाज का भविष्य इसी पर टिका है।

यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वोट खरीदने की कोशिशों के खुले आम प्रदर्शन होने के बावजूद अभी हमारी भार्गव सभा में केवल पद लिप्सा और यश लिप्सा ही घर कर पाई है और धन लिप्सा अभी दूर है। किन्तु इसमें कतई कोई सन्देह नहीं हो सकता कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो 10-15 वर्षों बाद हमारे समाज में भार्गव सभा की सम्पत्ति के दुरुपयोग के लालच में आपराधिक मनोवृत्ति के व्यक्तियों का भार्गव सभा पर वर्चस्व स्थापित हो जायेगा। इस घातक और अनिष्टकारक प्रवृत्ति पर यदि समय रहते अंकुश नहीं लगाया गया तो हमारे समाज की अस्मिता के नष्ट होने का खतरा हो सकता है। यदि यह प्रवृत्ति जारी रही तो हमारे समाज के सच्चरित्र, सेवाभावी, ईमानदार और कर्मनिष्ठ व्यक्ति धीरे-धीरे हमारी सभाओं से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझेंगे और भार्गव सभायें विद्वेष, छल-कपट, वैमनस्य, ईर्ष्या और कुटिलता का खुला अखाड़ा बन कर रह जायेंगी।

इस वृत्ति को रोकने के उपायों पर चर्चा करने से पहले एक बात और! इस तरह के चुनावों की प्रक्रिया को आँखें मूँदकर बर्दाश्त करते रहने का जो दुष्परिणाम हमने भोगा, जरा उसका भी जायज़ा ले लिया जाये। भार्गव सभा के शताब्दी समारोह का हृदय विदारक विवरण हमारी युवा पीढ़ी के मन-मस्तिष्क को उद्वेलित करने के लिये पर्याप्त है। डा. शान्ति प्रसाद जी के शब्दों में:-

[Hkkxo lHkk dk bfrgkl] i-185]

''सभा का 100वाँ वार्षिक अधिवेशन जयपुर में ही 24, 25 व 26 दिसम्बर सन् 1989 को आयोजित करने का निश्चय किया गया था, तथा निश्चित तिथि पर अर्थात् 24 दिसम्बर को इसका कार्यक्रम अर्थात् पहली बैठक आरम्भ की गई। पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की प्रक्रिया प्रारम्भ ही हो पाई थी कि वर्ष भर में हुई विभिन्न घटनाओं के सन्दर्भ में आक्रोशपूर्ण वादविवाद प्रारम्भ हो गया। कई सभासद सभा के कार्यालय एवं कतिपय पदाधिकारियों के कार्यों से रुष्ट थे ही, अतः आरोपों-प्रत्यारोपों की झड़ी लग गई। और ऐसा उग्र वातावरण बन गया जैसा कि सभा की बैठकों में 100 वर्ष के इतिहास में देखने अथवा सुनने को कभी नहीं मिला था और आशा की जा सकती है कि, हमारी जाति सुशिक्षित एवं सुसंस्कृत होने के कारण, भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। इसके अतिरिक्त सभासदों द्वारा पदाधिकारियों एवं प्रबन्धक समिति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की एवं पदाधिकारियों द्वारा त्यागपत्र देने की पेशकश की गई, जिन पर उस समय विचार करना न तो स्वस्थ परम्परा के अनुरूप होता और न भविष्य के लिये कोई समुचित दृष्टान्त प्रतिपादित किया जा सकता था। अतः परिस्थितियों को अधिक बिगड़ने से बचाने के लिये एवं पारस्परिक बातचीत, सद्भावना एवं सहमति से समस्या का सर्वसम्मत समाधान खोजने के उद्देश्य से सभा की यह बैठक स्थगित कर दी गई।''

उपरोक्त विवरण में कुछ बातें स्पष्ट हैं। 'कई सभासद पदाधिकारियों के कार्यों से रुष्ट थे। आरोपों और प्रत्यारोपों की चरम स्थिति। पदाधिकारियों एवं प्रबन्धक समिति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी।'

प्रश्न यह है कि अब क्या हमारे समाज में ऐसे निष्पक्ष, सुविचारक और सत्य के पक्षधर महानुभावों का अभाव हो गया है, जिनका निर्णय अन्तिम कहा जा सके और उसे मानने के लिये समाज के सभी सदस्य बाध्य हों? या ऐसे लोग इस वैचारिक दलदल से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझने लगे हैं? आख़िर क्या कारण है कि बीस वर्ष गुज़र जाने पर भी हम सही और ग़लत का निर्णय कर पाने में असमर्थ सिद्ध हो रहे हैं और एक दूसरे के प्रति हमारी सद्भावनायें, प्रेम, उदारता और सहानुभूति समाप्त प्राय: हो गई हैं?

¼vkxs if=dk d vxy vd e n[kA½

अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा (रजि.)
धार्मिक भ्रमण - चित्रकूट दर्शन

अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा के तत्वावधान में 14.11.2010 को चित्रकूट धार्मिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण में विभिन्न शहरों के 72 भार्गवजन सम्मिलित हुए। सभी भार्गवजनों हेतु राम दरबार सिरसावन, चित्रकूट में आवास व्यवस्था की गई थी। आवास स्थल चित्रकूट स्टेशन से लगभग 15 कि.मी. दूर था। सभी सदस्यों को स्टेशन से राम दरबार लाने व छोड़ने की व्यवस्था की गई थी। अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की ओर से सभी सदस्यों हेतु प्रात:कालीन चाय, ब्रेक-फास्ट, अपरान्ह भोजन, सायंकालीन चाय व रात्रि भोजन की व्यवस्था की गई थी। धार्मिक भ्रमण की पूर्व सन्ध्या पर सभी सदस्यों के परिचय के उपरान्त विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं तथा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

सभी भार्गवजनों ने बस द्वारा निम्न स्थलों के दर्शन किये:- **(1) सती अनुसुइया आश्रम** - परमहंस आश्रम के पास नवनिर्मित सती अनुसुइया मन्दिर में महासती अनुसुइया के जीवन चरित्र पर आधारित अनेक प्रसंग भित्तिमूर्तियों के रूप में चित्रित हैं। **(2) गुप्त गोदावरी** - बड़ी गुफा में प्रवेश का द्वार पृथक है, जो बहुत सकरा है। इस गुफा के अन्दर विस्तृत स्थान है, जिसका धरातल गोदावरी की गुप्तधारा से अलंकृत है और छत का भाग प्रकृति की अनुपम कारीगरी से सुसज्जित है। गुप्त गोदावरी की ये गुफायें अपने विलक्षण प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए प्रसिद्ध हैं। **(3) स्फटिक शिला** - स्फटिक शिला चित्रकूट के सर्वाधिक सुरम्य स्थलों में से एक है। मन्दाकिनी तट पर स्थित इस शिला के सम्बन्ध में एक मानसकार ने लिखा है कि वनवास काल में यहाँ पर श्री राम की श्रृंगार लीलाएँ हुई थीं। जयन्त के पराभव की कथा भी स्फटिक शिला से जुड़ी हुई है। रामघाट से दूरी - दक्षिण-पश्चिम 3 कि.मी.। **(4) राम दर्शन** - इस मन्दिर का निर्माण प्रसिद्ध समाजसेवी श्री बाबा जी देशमुख से प्रेरित होकर श्री मंगत राम जयपुरिया जी ने कराया। रामघाट से दूरी - 4 कि.मी.। **(5) जानकी कुण्ड** - प्रकृति की मनोरम छटा को अपने अंग में समेटे जानकी कुण्ड चित्रकूट का एक प्रमुख दर्शनीय स्थल है। मान्यता है कि बनवास काल में श्री सीता जी यहाँ नित्य मन्दाकिनी स्नान करने आती थीं। शिलाओं पर अंकित चरण चिन्हों पर श्रद्धालुजन अपनी आस्था निवेदित करते हैं। यह एक सुन्दर पिकनिक स्थल भी है। रामघाट से दूरी - दक्षिण 2 कि.मी.। **(6) कामदगिरि** - भगवान श्री राम ने अपनी भार्या सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ अपने बनवास काल के 11 वर्ष चित्रकूट (कामदगिरी) में रहकर बिताए थे। अत: कामदगिरि में राम भक्तों की असीम आस्था है। तीन शिखरों वाला हरा-भरा धुनषाकार यह पर्वत 20 फुट चौड़े परिक्रमा मार्ग के दोनों ओर बने सैकड़ों मन्दिरों से घिरा हुआ है। 5 कि.मी. लम्बा परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं से सदा भरा रहता है। **(7) हनुमान धारा** - हनुमान धारा में विराजमान हनुमान जी की शिलोत्कीर्ण मूर्ति का छायांकन है। किंवदन्ती है कि लंका दहन से उत्पन्न दाह को मिटाने के लिये हनुमान जी यहाँ निर्मल धारा के नीचे लेटे हुए हैं। हनुमान भक्तों में इस मूर्ति की बड़ी प्रतिष्ठा है। **(8) रामघाट** - रामघाट चित्रकूट का केन्द्र स्थल है। रामघाट मन्दाकिनी के तट पर स्थित है। घाट के ऊपर अनेक मन्दिर और अखाड़े हैं। सन्ध्या के समय रामघाट की चहल-पहल दर्शनीय होती है।

सभी स्थल अत्यन्त प्राचीन, रमणीक व मन-चित्त को आकर्षित करने वाले थे। सभी भार्गवजनों ने आनन्द लिया। धार्मिक भ्रमण हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाली सदस्याओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। अन्त में अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती लक्ष्मी (जयपुर), डा. कैलाश, श्री प्रेमशंकर (कानपुर), श्री राकेश (आगरा), श्रीमती अलका, श्रीमती अल्पा (आगरा), श्रीमती आरती (कानपुर), श्री वेद (आगरा) तथा विभिन्न शहरों से आए हुए सदस्यों का आभार, धन्यवाद ज्ञापित कर भ्रमण का समापन किया गया।

15/248, सिविल लाइन्स, कानपुर, मो. 09415100808 **डा. रेनू भार्गव**, सचिव

जातीय समाचार

जातीय समाचार भार्गव पत्रिका कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त होते हैं। समाचारों के साथ परिवार के मुखिया का नाम, पता एवं सम्पर्क फोन के अतिरिक्त भेजने वाले का नाम, पता एवं सम्पर्क फोन भी हम छापना चाहते हैं। उत्तम हो कि सभी समाचारों के साथ सम्बन्धित उपयुक्त चित्र भी भेजे जायें। **–सम्पादक**

जन्म

इन्दौरः श्रीमती सुलोचना–श्री विजय की पुत्रवधू श्रीमती स्वाति एवं सुपुत्र श्री ऋषि के यहाँ बसन्त पंचमी 8.2.2011 को कन्या रत्न की प्राप्ति हुई। इस अवसर पर श्री विजय ने स्थानीय सभा को रु. 500/– की राशि दान स्वरूप प्रदान की। सम्पर्क सूत्रः 09424007943.

विवाह

अजमेर–धौलपुरः सौ.कां. प्रीति (सुपुत्री श्रीमती आशा–श्री सुभाष) का शुभ विवाह चि. निशान्त (सुपुत्र श्रीमती नीरा–श्री विनोद, धौलपुर) के साथ धौलपुर में 7.2.2011 को सानन्द सम्पन्न हुआ।

•

अजमेर–कोटाः चि. सचिन (सुपुत्र श्रीमती मधु–श्री अशोक कुमार, कुन्दन नगर) का शुभ विवाह सौ.कां. हर्षा (सुपुत्री श्रीमती शशि–श्री विनय, कोटा) के साथ 8.2.2011 को सानन्द सम्पन्न हुआ।

•

अजमेर–जयपुरः चि. नितिन (सुपुत्र श्रीमती कुमुद–श्री गौरी शंकर, सुन्दर विलास) का शुभ विवाह सौ.कां. नमिता (सुपुत्री श्रीमती निर्मिला–श्री विजय, जयपुर) के साथ जयपुर में 9.2.2011 को सानन्द सम्पन्न हुआ।

•

Bikaner-Ghaziabad-Shahdra (Delhi): Miss Sikha (D/o Mrs. Bina-Mr. J.N. Bhargava, (Retired from Railways) Phone: 0151-2233676) married to Mr. Vinay (S/o Mrs. Bina-Mr. Gopal Krishan, Shahdra, Delhi, Mobile: 09953450005) on 21.2.2011 at Ghaziabad. Congratulation and best wishes from Shobhna-Moti Lal Bhargava of Jaipur, Phone: 0141-2700415.

•

अजमेरः सौ.कां. अनिता (सोनू) (सुपुत्री श्रीमती अरुणा–स्व. उमेश) का शुभ विवाह चि. भूषण (सुपुत्र श्रीमती मनोवती–स्व. निर्मल कुमार बोहरा) के साथ 18.2.2011 को सानन्द सम्पन्न हुआ।

•

कोलकाताः सौ.कां. अनामिका (सुपुत्री श्री प्रेम कुमार) का शुभ विवाह चि. विश्वनाथ पटवारी (कोलकाता) के साथ 22.2.2011 को सानन्द सम्पन्न हुआ। पताः सनराइज टॉवर्स, 134–बी, बेलियाघाटा, टॉवर–1, फ्लैट नं. 3–बी, तीसरी मंजिल, कोलकाता–700015, मो.: 09330206787, 09831206785

विशेष उपलब्धि

Kanpur: Miss Niharika (D/o Mrs. Ritu-Mr. Rakesh, 3/11-C, Vishnupuri), student of Class XII-A of Sir Padampat Singhania Education Centre, Kanpur, has been awarded Certificate of Excellence 'Gold Medal' for being the most outstanding student of the institution, and Certificate of Merit for commendable contribution to school as 'School Captain'.

उपलब्धि

आष्टी (जिला वर्धा, महाराष्ट्र):

श्री नीरज (सुपुत्र श्रीमती नीरा–श्री जवाहर लाल) को कबड्डी खेल में उत्तम खिलाड़ी होने का गौरव मिला। नागपुर विश्वविद्यालय से नेशनल कलर कोट प्राप्त हुआ। इसी खेल में वह अश्वमेध टूर्नामेंट में खेलने अंकोला (महाराष्ट्र) और इन्टर–यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट में अजमेर (राजस्थान) खेलने गये।

•

Delhi: Dr. S.C. Bhargava was born in Rewari (Haryana) on 22.4.1936. Educated at Government High School, Ajmer, 1944-51; Government College, Ajmer, 1951-54; Central College of Agriculture, Delhi, 1954-57; International Agricultural Centre, Wageningen, Holland, 1957-59; Agricultural University, Wageningen, 1959-64; B.Sc. 1957; Specialization in Floriculture, IAC, Wageningen, 1959, M.Sc. 1961; D.Sc. 1964. Professor, 1982-94 and Head, Division of Plant Physiology, 1994-96, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi; Consultant ITEC Programme, Vietnam, 1988-89; Senior/Chief Research Officer, Ministry of Agriculture, Tanzania, East Africa, 1970-75. ***Fellow:*** National Academy of Sciences, India; International Agricultural Centre (IAC), Wageningen. ***Research Areas:*** Plant/Crop Physiology, Regulation of Flowering under Controlled Environment. ***Contact Address:*** Dr. S.C. Bhargava, N-19/D, SFS Flats, Saket, New Delhi. Phone: 011-24563303.

•

मथुरा: मा. यश (सुपुत्र श्रीमती वैशाली-डा. सन्दीप, 1262/III-A, डीग गली, कच्ची सड़क, मो. 09412826325) श्री जी बाबा सरस्वती विद्या मन्दिर कक्षा-10 के छात्र ने विद्या भारती शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता विषय - यान्त्रिकी ऊर्जा के अलग-अलग क्षेत्रों में उपयोग - पर मॉडल बनाये व किशोर वर्ग में अपने जिले में प्रथम होकर प्रान्तीय व क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय स्तर के लिये चयनित होकर दिल्ली गये। वहाँ अपने क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर से सहभागिता की व तृतीय स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता अक्टूबर 2010-11 में आयोजित हुई थी।

अजमेर: जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जेल अधीक्षक प्रीता भार्गव को स्पीकर के रूप में आमन्त्रित किया। इस फेस्टिवल की निर्देशिका नमिता गोखले ने प्रीता जी द्वारा लिखित पुस्तिका 'नो मून हियर' का 23.1.2011 को विमोचन किया।

•

अजमेर: श्री संगीत भारतीय एवं श्री तोलाराम हंसराज डागा चैरिटेबल ट्रस्ट गंगानगर (बीकानेर) द्वारा 11.1.2011 को आयोजित सप्तम् अखिल भारतीय संगीत कला प्रतियोगिता 'संगीतोत्सव' में तबला प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में अजमेर के श्री आयुष को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

•

दिल्ली: चि. आकृत (सुपुत्र श्रीमती अर्चना-श्री मुनीश एवं सुपौत्र स्व. श्रीमती रमा-डा. नरेश चन्द, डी-3-3444, वसन्त कुँज, नई दिल्ली, फोन: 011-41785166) छात्र कक्षा-5, टैगोर इन्टरनेशनल स्कूल, वसन्त विहार , नई दिल्ली ने इन्टर-क्लास क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

•

जयपुर: श्री महेन्द्र प्रसाद (Dorain) (सुपुत्र स्व. श्री देवेन्द्र प्रसाद अभिकर्ता (Agent) भारतीय जीवन बीमा, शाखा प्रथम, जयपुर) को वर्ष 2010 में उत्कृष्ट कार्य करने पर Senior Divisional Manager, अजय

ग्रोवर द्वारा सम्मानित किया गया। आपको विश्वस्तरीय Million Dollar Round Table (MDRT) सम्मेलन, जो अमेरिका में वर्ष 2011 में आयोजित किया जा रहा है, में आमन्त्रित किया गया है, मो. 09414251010.

•

अजमेर: श्रीमती अनिता (धर्मपत्नी श्री राजेश) को लाइंस क्लब अजमेर संगम में सचिव के पद पर चयन किया गया।

अजमेर: सिटी भास्कर द्वारा 31.1.2011 को आयोजित 'वाद्य तबला' कार्यक्रम में अजमेर के श्री आयुष एवं कु. नवद्या (सुपुत्र एवं सुपुत्री श्रीमती नमिता-डा. अलय) ने कुछ धुनें प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरीं एवं पुरस्कार प्राप्त किया।

●

अजमेर: श्रीमती स्मिता भार्गव के निर्देशन में 'कला अंकुर' संस्था की ओर से 15.1.2011 को आयोजित कार्यक्रम में, अजमेर किण्डर गार्डन ईस्ट पॉईंट स्कूल व कला अंकुर एकेडमी के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। मंच संचालन दीक्षा भार्गव ने किया।

●

जामनगर (गुजरात): मा. अनमोल (सुपुत्र श्री राहुल-श्रीमती श्वेता, जयपुर-लखनऊ) को 30.1.2011 को SpeedWell India Contest में 3 Rounds के पश्चात सर्वोच्च स्थान प्राप्त होने पर डिस्ट्रिक्ट चैम्पियन अवार्ड की ट्रॉफी प्रदान की गई। इन्हें संस्था के द्वारा रु. 500/- का गिफ्ट भी प्राप्त हुआ।

●

अजमेर: अरोग्य काया एक्यूप्रेसर योगा मन्दिर परिवार अजमेर द्वारा सांस्कृतिक, सामाजिक कार्यों में सराहनीय उपलब्धि के लिए एवं समारोह में अध्यक्ष पद पर नियुक्ति देकर 8.3.2011 को 'वुमन्स डे' पर श्रीमती अनिता को सम्मानित किया गया। उन्हें 25.2.2011 को गुरु वन्दना अभिनन्दन समारोह व सांस्कृतिक कार्यक्रम रंगीलो राजस्थान में विशिष्ठ अतिथि के रूप में अभिनन्दन पत्र देकर भी सम्मानित किया गया।

(उक्त सभी उपलब्धि प्राप्तकर्त्ताओं को भार्गव पत्रिका की ओर से शुभकामनाएँ एवं हार्दिक बधाई।)

विविध

अजमेर: श्री सुभाष (अलवर) ने भार्गव आश्रम पुष्कर में रु. 5000/- दान दिये।

●

Kolkata: Mr. Prem, Mr. Prashant, Ms. Anamika and Miss Sweety have shifted their residence from 35/B Upendra Chandra Banerjee Road, Flat No. 1A 1st Floor Kakurgachi, Kolkata-700054 to Sunrise Towers, 134/B Beliaghata Road, Tower 1, Flat No. 3B at 3rd Floor, Kolkata-700015, Mobile: 09330206787, 09831206785.

अजमेर: श्रीमती प्रेम (अध्यक्षा, भार्गव महिला सभा, अजमेर) के निवास तोपदड़ा, अजमेर पर 5.2.2011 को माता के भजनों का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

●

अजमेर: श्रीमती शान्ति (किशनगढ़ कोठी) ने अपनी पुत्री सौ.कां. प्रीति के शुभ विवाह पर महिला सभा, अजमेर को रु. 501/- दिये। सभा आभार व्यक्त करती है।

●

अजमेर: श्री दिनेश (अलवर) ने भार्गव आश्रम पुष्कर में दान स्वरूप एक दरी (15'x12') एवं छः कम्बल दिये।

●

अजमेर: श्री गौरव (सुपुत्र श्री कैलाश नाथ) जो कोटक महेन्द्रा, दिल्ली में कार्यरत हैं, 11 माह के प्रशिक्षण के लिए 12.2.2011 को केलिफोर्निया (यू.एस.ए.) गये हैं।

निधन

एटा (उ.प्र.): श्री विशन स्वरूप (सुपुत्र श्री गंगा प्रसाद, प. गेट) का निधन 13.1.11 को 83 वर्ष की आयु में हुआ। पुत्रः मुकेश, मुनेश, त्रिलोक, पुत्रीः सुनिता, अनिता।

●

आगरा: श्री बृजेन्द्र सरन (Government Building Contractor) का निधन 85 वर्ष की आयु में 23.1.2011 को हो गया। आप श्री दयासरन (सचिव समन्वय उपसमिति व पूर्व सचिव, समाज कल्याण उपसमिति, अखिल भारतीय भार्गव सभा) तथा निवर्तमान अध्यक्ष, आगरा भार्गव सभा के पिता थे। पता: 34/296, खातीपाड़ा, लोहामण्डी, आगरा-2, फोन: 0562-2510380, मो. 09412590652.

●

कोलकाता: श्री पवन, अध्यक्ष, कोलकाता भार्गव सभा (सुपुत्र स्व. परमानन्द जी) का 26.1.2011 को असामयिक स्वर्गवास हो गया। शोकाकुल: श्रीमती सन्ध्या (धर्मपत्नी), शीतल-दीपेश मुम्बई(पुत्री-दामाद), आकाश-रजनी (पुत्र-पुत्रवधू), अमित (पौत्र) एवं बेबी लावण्या (पौत्री), पी-16-बी, नजरूल इस्लाम ऐवन्यू, स्कीम VII-M, कोलकाता-54, मो.: 09830041909.

●

कटनी: श्रीमती चन्द्रकान्ता, ध.प. स्व. प्रेम किशोर का 16.3.11 को दिल्ली में 79 वर्ष की आयु में निधन हुआ। आप अपने पीछे चार पुत्र एवं दो पुत्रियों का परिवार छोड़ गई हैं। उनकी दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना करते हैं। पुत्र: श्री ब्रज किशोर, भार्गव हाऊस, नई बस्ती, कटनी, मो.: 09425154366.

हमारी स्थानीय सभाएँ

सभी स्थानीय सभाओं, लेखकों एवं प्रकाशन सामग्री भेजने वाले बन्धुओं से निवेदन :-

1. स्थानीय सभाओं की बैठकों का विवरण संक्षिप्त, **200 शब्दों,** में होना चाहिए।
2. **सभी प्रकाशन सामग्री सभा कार्यालय में प्रत्येक माह की 15 तारीख तक मिल जानी चाहिये।**
3. प्रकाशन सामग्री कम्प्यूटर से (MS Word अथवा Page Maker 7.0 में हिन्दी के फोंट जैसे Krutidev/SV Surya/Walkman Chanakya में टाईप करवाकर भार्गव सभा के ई-मेल abbs@airtelmail.in पर भेजें। **प्रकाशन विवरण PDF Format में नहीं भेजें।**

बीकानेर: (1) चिकित्सा शिविर; 6.2.2011 प्रातः 8 बजे; स्थान: भार्गव वृद्ध आश्रम; आयोजक: स्थानीय भार्गव सभा तथा स्थानीय युवा संघ; अध्यक्षता: श्री सुरेश

शिविर में डा. परमेन्द्र सिरोही व उनके सहयोगी डाक्टर्स द्वारा Sugar, BP., E.C.G. व हृदय रोग सम्बन्धित समस्त रोगों की नि:शुल्क जाँच की गई तथा नि:शुल्क परामर्श दिया गया। विभिन्न दवा कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा दवाईयों का भी नि:शुल्क वितरण किया गया। शिविर में उपस्थिति उत्साहवर्धक रही। सभी बन्धुओं के लिये जलपान की भी व्यवस्था की गई। निकट भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन कराने का अनुरोध समस्त भार्गव बन्धुओं द्वारा किया गया।

बीकानेर: (2) द्विवार्षिक चुनाव; 6.2.2011 दोपहर 1.30 बजे; स्थान: भार्गव वृद्ध आश्रम; चुनाव अधिकारी: श्री शेखर; उपस्थिति: 45

चुनाव अधिकारी श्री शेखर द्वारा 2 बजे तक नामांकन पत्र भरवाये गये व 3 बजे तक का समय नाम वापस लेने के लिये दिया गया। हर्ष का विषय है कि चुनाव निर्विरोध व आपसी सहमति से सम्पन्न हुये। नई कार्यकारिणी का हर्ष के साथ स्वागत किया गया। चुने गये पदाधिकारी:- **अध्यक्ष:** श्री सुरेश, **उपाध्यक्ष:** श्री अविनाश एवं श्रीमती रजनी, **सचिव:** श्री दिनेश, **सहसचिव:** जय माला, **कोषाध्यक्ष:** श्री रतन सिंह, **सांस्कृतिक सचिव:** श्रीमती अर्चना, **कार्यकारिणी सदस्य:** श्री तेज बहादुर, श्री आनन्द, श्री तेज सिंह, श्री सन्दीप, श्री कृष्ण एवं श्री सतीश। तत्पश्चात अखिल भारतीय भार्गव सभा के लिये कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव हुआ व निम्न सदस्य मनोनीत किये गये:- श्री दुर्गा सिंह (ए-88-89, सादुलगंज), श्री जगदीश कुमार (रानीसर बास, भार्गव हाउस), श्री शेखर (14, बैंक स्ट्रीट, शिव बाड़ी रोड)।

सी-65, सादुल गंज, बीकानेर **दिनेश भार्गव,** सचिव

(बीकानेर भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 19.2.2011 को प्राप्त हुईं)

भोपाल: (1) कार्यकारिणी बैठक; 13.2.2011 सायं 5 बजे; स्थान: निवास सलाहकार श्री उमाकान्त (शक्ति नगर)

वरिष्ठ सदस्या श्रीमती लज्जा के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया गया व दो मिनट का मौन रखकर मृतात्मा को श्रद्धाँजलि अर्पित की गई।

दो मिनट के स्थगन के उपरान्त अध्यक्ष श्री सुधीर ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। सचिव श्री अनिल ने पिछली बैठक की कार्यवाही पढ़ी तथा सर्वसम्मति से सदस्यों ने पुष्टि की। निर्णय लिया गया कि होली 3.4.2011

को सायं 6 बजे रोटरी भवन में मनाई जाये। कार्यक्रम की व्यवस्था निम्न प्रकार रहेगी:– **रंग गुलाल:** श्री राजकिशोर, **सांस्कृतिक कार्यक्रम:** श्रीमती गीता, श्रीमती अनीता एवं श्री विश्वकान्त, **होली पर उपनाम:** श्रीमती कृष्णा, **भोजन:** छोले भटूरे, गुलाब जामुन, ठण्डाई। निम्न सदस्यों ने स्वेच्छा से विभिन्न उत्तरदायित्व लिये:– श्री सन्दीप – प्रिंट मीडिया में बैठकों की कार्यवाही का प्रकाशन, श्री मनीष – जन्मदिन की मिठाई, श्री मनोज – कार्यवाही रजिस्टर का रखरखाव।

सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष भर के कार्यक्रमों की समय सारिणी बनाई जाये तथा पिछले दो वर्षों के विभिन्न कार्यक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाये। अन्त में सचिव श्री अनिल ने सलाहकार श्री उमाकान्त एवं श्रीमती कृष्णा को स्वादिष्ट स्वल्पाहार हेतु धन्यवाद दिया।

भोपाल: (2) कार्यकारिणी बैठक; 13.3.2011 सायं 5 बजे; स्थान: निवास उपसलाहकार श्री हृदेश (पंचवटी कॉलोनी, एयरपोर्ट रोड)

बैठक का प्रारम्भ भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं ईश वन्दना से हुआ। अध्यक्ष श्री सुधीर ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया एवं सहसचिव श्री विनोद द्वारा गत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई गई जिसकी सभी उपस्थित सदस्यों ने पुष्टि की। अध्यक्ष ने 3.4.2011 को होने वाले होली मिलन समारोह में कार्यक्रम की विस्तृत चर्चा की एवं सभी सदस्यों से इस समारोह को सफल बनाने हेतु सहयोग मांगा।

सलाहकार श्री उमाकान्त ने सुझाव दिया कि होली मिलन समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों से आगामी साधारण सभाओं को सफल एवं उपस्थिति बढ़ाने हेतु सुझाव मांगे जायें जिसे वहाँ पर रखे बाक्स में डलवा के उन सुझावों पर उचित कार्यवाही की जाये, जिसे अध्यक्ष श्री सुधीर ने सहर्ष स्वीकार किया।

अन्त में सहसचिव श्री विनोद ने सभी सदस्यों को बैठक में उपस्थित होने एवं उपसलाहकार श्री हृदेश एवं श्रीमती इरा द्वारा स्वादिष्ट स्वल्पाहार हेतु धन्यवाद दिया।

110, डी.के. टावर, ए–इन्द्रपुरी, जे.के.रोड, भोपाल–462021 **अनिल कुमार भार्गव**
फोन: 2601993, मो. 09425604993 सचिव

(भोपाल भार्गव सभा की पहली कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 19.2.2011 को एवं दूसरी 17.3.2011 को प्राप्त हुई)

कोटा: दीपावली मिलन समारोह; 6.11.2010 सायं 5.30 बजे; स्थान: शारदा भार्गव सभा भवन; अध्यक्षता: श्री राजीव

श्री सन्दीप द्वारा बनाये एवं सचिव द्वारा प्रस्तुत खेलों का सभी ने आनन्द लिया। सेलीब्रिटी वाले खेल में श्रीमती बरखा, मसाले पहचानने वाले गेम में कु. सुरभि, गाने को पूरा करें खेल में कु. ख्याति विजयी रहे। फिल्मी डायलोग पहचानो खेल में भी 10 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। श्रीमती दिपाली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया गया जिसमें कु. साक्षी, विभूति, जूही, ऐश्वर्या, अंतिमा, आरुषि, रशिता, सुगन्ध एवं भव्या ने भाग लिया। श्रीमती शोभा, कल्पना, अंजू, शशि, सन्ध्या, रीता, प्रेमलता, नवविवाहिता श्रीमती अक्षिता, दिपाली एवं अर्चना ने एक संयुक्त गान एवं डाँस में भाग लिया। डा. गिरधर गोपाल ने भी एक सुन्दर भजन गाया।

श्री राजीव द्वारा डा. विनोद को अध्यक्ष के लिये प्रस्तावित किया, जिसे श्री योगेश ने अनुमोदित किया। सचिव के लिये श्री निर्लेश ने श्री संजय (दादाबाड़ी) को प्रस्तावित किया, जिसे श्री आलोक ने अनुमोदित किया। समस्त सदन ने प्रस्ताव पारित किया कि अध्यक्ष एवं सचिव अपनी कार्यकारिणी का स्वयं गठन करेंगे।

श्री राजेश–श्रीमती सन्ध्या ने अपने सुपुत्र श्री पंकज–श्रीमती अक्षिता की शादी के अवसर पर कोटा भार्गव सभा को दो पंखे दान में दिए। डा. कमल–श्रीमती रीता ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती पुष्प लता की स्मृति में दसवीं एवं

बारहवीं में सर्वाधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी को रु. 500/- का पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की। कु. आरुषी (सुपुत्री डा. कमल) ने सरस्वती शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में अपना स्थान बनाया। उन्हें राजस्थान के राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मैथ्स ओलम्पियाड में राजस्थान में प्रथम स्थान एवं नेशनल साइंस ओलम्पियाड में 162वाँ स्थान प्राप्त किया। जिला स्तरीय बास्केटबॉल टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें अध्यक्ष द्वारा माला पहनाकर एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। श्री सुनील एवं श्री टी.के. भार्गव द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती दिपाली एवं श्री निर्लेश ने बहुत अच्छी हाऊजी खिलाई। सभी भार्गव बन्धुओं ने गोवर्धन पूजा की एवं भार्गव सभा कोटा द्वारा आयोजित भोजन का सभी ने पूरे मनोयोग से स्वाद उठाया। सभी पधारे बन्धुओं का अध्यक्ष श्री राजीव एवं सचिव श्री निर्लेश ने धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

माली पाड़ा, नयापुरा, कोटा-324001 **निर्लेश भार्गव**
दूरभाष: 0744-2327108, मो. 09414242275 सचिव

(कोटा भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 19.2.2011 को प्राप्त हुई)

झाँसी: कार्यकारिणी बैठक; 12.2.2011 सायं 5 बजे; स्थान: निवास श्री प्रदीप; अध्यक्षता: श्री अनिल; उपस्थिति: 8

ईश वन्दना के पश्चात पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। आज की सभा में झाँसी भार्गव सभा की अखिल भारतीय भार्गव सभा से सम्बद्धता हेतु रु. 200/- का ड्राफ्ट श्री संजय (खाती बाबा) को बनवाने के लिए कहा गया व सर्वसम्मति से श्री संजय (खाती बाबा) को अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी (सत्र 2011-13) हेतु मनोनीत किया गया। आज की बैठक में श्री अनिल, श्री प्रदीप, श्री राकेश, श्री संजय, श्री सुनील, श्री अजय, श्रीमती ममता एवं श्रीमती अंजना उपस्थित रहे।

1174, न्यू राय गंज, सीपरी बाजार, झाँसी **प्रदीप कुमार भार्गव**
फोन: 0510-2360783, मो. 09415892686 सचिव

(झाँसी भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 22.2.2011 को प्राप्त हुई)

अहमदाबाद: पिकनिक; 30.1.2011; स्थान: स्वप्न सृष्टि Water Park, महुड़ी रोड, जिला गाँधीनगर; उपस्थिति: 60

श्री मोहित (गाँधी नगर) संयुक्त सचिव के निवास पर 16.1.2011 को हुई बैठक में निर्णयानुसार सभी सदस्य अपने वाहनों द्वारा नाश्ते के समय तक स्वप्न सृष्टि Water Park पहुँच गये। ईश वन्दना के पश्चात सभी ने गर्मागर्म नाश्ते का आनन्द उठाया। नाश्ते के पश्चात स्वप्न सृष्टि में पहाड़ी पर स्थित अमरनाथ धाम के दर्शन किये।

तत्पश्चात सभी सदस्यों के लिये खेलों का आयोजन किया गया। खेलों के दौरान सभा द्वारा रेवड़ी, बेर, खजूर व मूँगफली की व्यवस्था की गई जिसका स्वाद सभी ने लिया। बड़े, छोटे सभी सदस्यों ने दो टीम बनाकर क्रिकेट खेलने का आनन्द लिया। भोजन में स्वादिष्ट दाल बाटी, चूरमा का सभी ने लुत्फ उठाया।

सभी के वरिष्ठ सदस्य श्री जगत नारायण के 13.1.2011 को हुये निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। इसके बाद श्रीमती सविता द्वारा तम्बोला के दो राउण्ड खिलाये गये। खेलकूद प्रतियोगिता में विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

स्थान की व्यवस्था श्री राजू (IPS) ने नि:शुल्क उपलब्ध कराई। नाश्ता, भोजन एवं सायं की चाय की व्यवस्था डा. राजेश (सिद्धपुर) द्वारा की गई। पुरस्कार श्री सुभाष के सौजन्य से प्राप्त हुये। श्री राजू, डा. राजेश व श्री सुभाष को सहयोग देने के लिये सभा की ओर से पुष्प गुच्छ द्वारा सम्मानित किया गया।

शाम को चाय व बिस्कुट के बाद सभी सदस्य अपने-अपने निवास स्थान के लिये रवाना हो गये। सभी सदस्यों ने पिकनिक को सुचारु रूप से आयोजित करने के लिये भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बी-74, सन ब्रीज टावर, अहमदाबाद **प्रकाश चन्द्र भार्गव**
फोन: 079-27461104, मो. 09428503779 सचिव

(अहमदाबाद भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 7.3.2011 को प्राप्त हुई)

इन्दौरः साधारण सभा; 27.2.2011; स्थानः होटल कलिंगा; अध्यक्षताः श्री विजय; उपस्थितिः 125

ईश वन्दना के पश्चात श्री विजय को दादा बनने के लिए बधाई दी गई। श्री विजय के साथ-साथ श्री नरेश एवं श्री शरद ने दादा बनने की खुशी में पाँच-पाँच सौ सभा को दान दिये। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी श्री सुरेश के निर्देशन में सत्र 2011-2013 के लिए सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनाव सम्पन्न हुये जिसमें **अध्यक्षः** श्री विजय (खजराना रोड), **उपाध्यक्षः** श्री विजय (रेमण्ड्स) एवं श्रीमती कमलेश, **सचिवः** श्री दीपक, **संयुक्त सचिवः** श्री अतुल, **कोषाध्यक्षः** श्री शरद, **कार्यकारिणी सदस्यः** श्री रविन्द्र, श्री राकेश, श्रीमती साधना, श्री अमित (शैली), श्री समीर, श्री चेतन (श्रीनगर), श्री सन्दीप (बक्शी बाग), श्री आशीष एवं श्री पंकज (शहनाई)।

निवृत्त हो रहे सचिव श्री प्रदीप कुमार ने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुये नई कार्यकारिणी को शुभकामना प्रदान कीं एवं सहयोग का आश्वासन देते हुये बैठक की समाप्ति की घोषणा की।

202 लक्ष्य एवेन्यू, मनोरमा गंज, इन्दौर-452001 **प्रदीप कुमार भार्गव**
फोन: 0731-2493518, मो. 09826699088 सचिव

(इन्दौर भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 12.3.2011 को प्राप्त हुई)

लखनऊः (1) बसन्तोत्सव, साधारण बैठक एवं तैहरी भोज; 6.2.2011; स्थानः संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर; उपस्थितिः 100

प्रातः 10 बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ प्रारम्भ हुआ, जिसमें सर्वप्रथम श्रीमती (डा.) अर्चना एवं श्रीमती शैलजा ने बड़े सुन्दर सुर-लय में पाठ कर भक्तजनों का मन मोह लिया। तत्पश्चात श्रीमती वन्दना, श्रीमती तूलिका, श्रीमती रचना, श्रीमती अर्चना एवं श्रीमती पूनम ने समा बाँध दिया। गायन मण्डली द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ पूरा किया गया, हनुमान चालीसा एवं आरती हुई।

इसके बाद संरक्षक श्री जे.पी. भार्गव ने पिछली कार्यकारिणी को गुलाब की कली देकर भावभीनी बिदाई दी। अध्यक्ष श्री रामकुमार एवं सचिव श्री विवेक के नेतृत्व में नई टीम को चुनाव अधिकारी श्रीमती मृदुला ने शपथ दिलाई। संरक्षक जी ने माला पहनाकर नई टीम की अगवानी करते हुये अपना आशीर्वचन दिया। इस अवसर पर संरक्षक ने नई टीम से अपेक्षा जाहिर की कि वे नये-नये कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रम में आने के लिये जागरूक एवं प्रोत्साहित करेंगे एवं सभा के लिये जमीन का प्रबन्ध करेंगे। इसमें वे पूरी तरह साथ रहेंगे। संरक्षक जी द्वारा सभा को अतुलनीय योगदान के लिये श्री सत्येन्द्र नाथ एवं श्रीमती मृदुला को सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रामकुमार ने सबके प्रति अपना आभार व्यक्त किया। सचिव श्री विवेक ने सदन में दो प्रस्ताव रखे - पहला श्री जे.पी. भार्गव को पुनः संरक्षक बनाने का एवं दूसरा श्री सुनील को विशेष सलाहकार बनाने का, दोनों प्रस्ताव ध्वनि मत से सदन द्वारा पारित किये गये। सचिव ने सभा के प्रति, विशेष रूप से श्रीमती सरोज (रोहतास एनक्लेव) का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने प्रसाद व तैहरी भोज को प्रायोजित किया।

श्री सुनील ने बड़े ही खुशनुमा ढंग से मंच का संचालन किया। विशेष उपस्थिति नागपुर से श्री प्रमोद एवं उनकी पत्नी श्रीमती उमा (M/s. M.P. Paper Mart) की रही।

लखनऊ: (2) प्रथम कार्यकारिणी बैठक; 12.2.2011; स्थान व अध्यक्षता: श्री रामकुमार

तत्कालीन सचिव श्री शेखर के न आने के कारण पिछली कार्यवाही की पुष्टि नहीं हो सकी।

होली मिलन पर विचार के अन्तर्गत सचिव ने बताया कि 20.3.2011 को होली होने के कारण अगले रविवार 27.2.2011 को होली मिलन गाँधी भवन सभागार में ही रखा गया है। होली मिलन के अवसर पर सम्पन्न होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत चर्चा हुई तथा सभी को इसे सफल बनाने हेतु कार्य आवंटन किये गये। यह तय हुआ कि रजिस्ट्रेशन फीस व लकी ड्रा कूपन का शुल्क रु. 30/- रख लिया जाये, भोजन व्यवस्था निःशुल्क हो, पर कूपन अवश्य हो।

संरक्षक जी ने सभी सदस्यों से नये कार्यक्रम बताने के लिये कहा तथा होली व अन्य के लिये फण्ड कैसे एकत्र हो, इस बारे में राय जाहिर करने को कहा। इसके लिये सभी का मत हुआ कि भोजन व्यवस्था में जितना व्यय हो वह सभी Executive Members से इकट्ठा कर लिया जाये। इस पर श्री सुनील व श्रीमती मीरा ने रु. 1000-1000 देने का प्रस्ताव किया, जिसका करतल ध्वनि से सभी ने स्वागत व समर्थन किया। नये कार्यक्रमों के लिये माँगे गये सुझाव के अन्तर्गत श्रीमती वन्दना ने 14.11.2011 को बच्चों के लिये विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित करने को कहा। श्री राजकुमार, श्री जितेन्द्र व श्री विनीत ने दीपावली मेला कराने का सुझाव दिया व इस अवसर पर एक सोविनियर भी प्रकाशित करने का सुझाव दिया। श्री सुनील ने राय दी कि इसके लिये एक कमेटी बना दी जाये जिसमें श्री अशोक (बच्चा बाबू), श्री राकेश (गणेशगंज), श्री प्रकाश नारायण व श्री आनन्द को भी आमन्त्रित किया जाये।

श्री बालेश्वर ने भगवान परशुराम व महर्षि च्यवन की जयन्ती पर वृक्षारोपण व Blood Donation Camp लगाने तथा धार्मिक प्रतियोगितायें आयोजित करने का सुझाव भी दिया।

श्री सुनील का सुझाव था कि विवाह तय करने के अवसर पर आने वाली परेशानियों जैसे मांगलिक दोष, नाड़ी दोष आदि पर परिचर्चा होनी चाहिये तथा भार्गव समाज के लिये अपने भवन बनाने पर जोर देना चाहिये।

सभी सदस्यों का सुझाव था कि तिमाही न्यूज लैटर निकाला जाये, जिसमें सभी सूचनायें व पठन सामग्री हो इसका दायित्व श्री अनिल (लाटूश रोड), श्री विवेक व श्री सत्येन्द्र को सौंपा जाये।

सचिव ने श्री विश्व बन्धु को ऑडिटर तथा श्रीमती रीना को विधि सलाहकार मनोनीत करने का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से कार्यकारिणी द्वारा पारित किया गया।

सचिव ने वर्ष भर के प्रस्तावित कार्यक्रमों की सूची पढ़ी, जिस पर संरक्षक ने अलग से मीटिंग करने का प्रस्ताव रखा। यह तय हुआ कि सभी तक SMS व नोटिस पहुँचे जो कार्यकारिणी सदस्यों में एरिये के अनुसार बाँट दी जाये।

अन्त में श्री रामकुमार, श्रीमती कुसुम ने सुन्दर जलपान का आयोजन किया, इसके लिये उन्हें धन्यवाद देने के साथ बैठक समाप्त हुई।

27, हाता लक्ष्मण दास, शिवाजी मार्ग, लखनऊ-226018 **विवेक भार्गव**
मो. 09452146561, 09936419891 सचिव

(लखनऊ भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 21.2.2011 को प्राप्त हुई)

हैदराबादः गणतन्त्र दिवस; 26.1.2011; स्थानः होटल राज कम्फर्ट इन; आयोजनकर्ताः अन्शु-विवेक, सुरुचि-जीतेन्द्र, सुनीता-के.के. भार्गव, पूर्णिमा-भुवनेश, अध्यक्षताः श्री आनन्द; उपस्थितिः 72

अध्यक्ष जी ने सभी को गणतन्त्र दिवस की शुभकामनाएँ दीं। ईश वन्दना व राष्ट्रगान के पश्चात सचिव श्रीमती रेनू ने गत बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई। इस बैठक में नए पदाधिकारियों का चयन भी किया गया जिसमें **अध्यक्षः** श्री अतुल, **सचिवः** श्रीमती रश्मि एवं **कोषाध्यक्षाः** श्रीमती संगीता होंगी।

श्री प्रवीण, श्री प्रदीप, रश्मि जी, डा. अर्चना, प्रीति जी, दीप्ति जी व साधना जी ने तीन देशभक्ति गीत प्रस्तुत किये। रिजु जी व श्री अक्षत ने भी एक-एक गीत प्रस्तुत किये।

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर तिरंगी ड्रेस के लिये संगीता जी और देशभक्ति गीत के लिये रिजु जी को पुरस्कृत किया गया। हाऊजी के पश्चात लकी ड्रा निकाला गया।

स्वादिष्ट जलपान के बाद आनन्द जी सभी आयोजकों को धन्यवाद दिया। अगली बैठक होली के अवसर पर रखने व उसी अवसर पर नये पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपे जाने का निर्णय लिया गया। गणतन्त्र दिवस के शुभ अवसर पर सभा की ओर से सभी को लड्डू भी दिये गये।

101 बकुल अपार्टमेन्ट, धरम करन रोड, अमीरपेट, **श्रीमती रेनू भार्गव**
हैदराबाद-500016, मो. 09440486012 सचिव

(हैदराबाद भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 21.2.2011 को प्राप्त हुई)

रायबरेलीः मासिक बैठक एवं द्विवार्षिक चुनाव; 18.1.2011 सायं 8 बजे; स्थान; निवास श्री राहुल; अध्यक्षताः श्री सोमेश; उपस्थितिः 25

ईश वन्दना के पश्चात पिछली कार्यवाही की पुष्टि की गई। सचिव ने चुनाव हेतु श्री रामकुमार एवं श्रीमती नम्रता को आमन्त्रित किया। सभी सदस्यों की आम सहमति से सभी पदों का निर्विरोध चुनाव हुआ। सत्र 2011-2013 हेतु चुने गये पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य इस प्रकार हैं:- **अध्यक्षाः** श्रीमती अंजना, **उपाध्यक्षः** श्री राजकुमार, **सचिवः** श्रीमती नीरू, **उपसचिवः** श्रीमती भावना, **कोषाध्यक्षाः** श्रीमती सन्ध्या, **सांस्कृतिक एवं खेल मन्त्रीः** श्रीमती सीमा, **कार्यकारिणी सदस्यः** श्री रवि, श्री दिलीप एवं श्री राहुल, **अखिल भारतीय भार्गव सभा हेतु मनोनीत सदस्यः** श्री रामकुमार। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

श्री रामकुमार ने अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा का अधिवेशन रायबरेली में करने का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया गया।

तम्बोला का आनन्द लेकर बैठक समाप्ति की घोषणा की गई। सभी सदस्यों ने श्रीमती रश्मि व श्री राहुल का स्वादिष्ट भोजन के लिये धन्यवाद दिया।

एच.आई.जी.-18 आर.डी.ए. कालोनी, इंदिरा नगर, रायबरेली-229001 **श्रीमती ममता भार्गव**
फोनः 0535-2203207, मो. 09453022241 सचिव

(रायबरेली भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 14.3.2011 को प्राप्त हुई)

दिल्लीः (1) स्नेह सम्मेलन; 26.1.2011; स्थानः कम्युनिटी सेन्टर, पॉकेट सी, सरिता विहार

प्रांगण में प्रवेश करते ही श्री उमेश, श्री हरिकान्त, श्री जवाहर सदस्यों का रजिस्ट्रेशन कर रहे थे एवं लक्की ड्रॉ के टिकटों की बिक्री कर रहे थे।

कार्यक्रम अपरान्ह 12 बजे से चाय पकौड़ी के साथ शुरु हुआ। अपरान्ह 1 बजे से श्री मोहित एवं श्री विनीत द्वारा खेल प्रतियोगिता विभिन्न वर्गों में आयोजित की गई। इसमें 3 वर्ष के बच्चे से 65 वर्ष के वरिष्ठ सदस्यों तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कपल दौड़ में तीन टांग की दौड़ और सुई धागा दौड़ का आयोजन किया गया। बच्चों की तीन टांग एवं साधारण दौड़ों का आयोजन किया गया। 60 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के लिए स्टैप वॉक का आयोजन किया गया। प्रथम एवं द्वितीय आए प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

अपरान्ह 1.30 बजे से डा. अजीत एवं श्री देवेन्द्र द्वारा सदस्यों को तम्बोला खिलाया गया जिसमें बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

अपरान्ह 2 बजे से सभा की कार्यवाही आरम्भ की गई। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद श्री ब्रह्म प्रकाश उपस्थित थे जिन्होंने इस स्थान को उपलब्ध कराने में अपना सहयोग दिया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सन्तों को माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। ईश वन्दना की गई। गत स्नेह सम्मेलन से अब तक जो सदस्य हमें सदैव के लिए छोड़ गए हैं उन्हें श्रद्धांजलि दी गई एवं दो मिनट का मौन रखा गया। मंच पर आसीन सभा के प्रधान श्री योगेश, मुख्य सचिव श्री संजीव, कोषाध्यक्ष श्री नरेन्द्र, अखिल भारतीय भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री विजय नारायण एवं श्री सुरेश तथा महिला सभा की प्रधान श्रीमती मीरा एवं स्थानीय पार्षद श्री ब्रह्मप्रकाश का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री ब्रह्मप्रकाश को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

प्रधान श्री योगेश द्वारा उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि का परिचय कराया गया एवं उन्होंने सदस्यों को सम्बोधित किया।

वरिष्ठ सदस्यों को शॉल ओढ़ाकर माल्यार्पण कर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह शॉल श्रीमती शिल्पा एवं श्री विजय (पटपड़गंज) द्वारा प्रायोजित किए गए थे जो स्वयं किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो सके। हम उनका हृदय से धन्यवाद करते हैं।

इस वर्ष सभा द्वारा एक पुरस्कार 'लाइफ टाइम एचीवमेंट एवार्ड' का आरम्भ किया गया तथा इस वर्ष समाज में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए यह पुरस्कार श्री रवि शंकर जी को प्रदान किया गया। श्री रवि शंकर जी का परिचय कराया गया एवं उन्होंने सदस्यों को सम्बोधित किया। उन्हें एक मोमेन्टो के साथ शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

मेधावी छात्रों को पदक देकर सम्मानित किया गया। कमला पुरस्कार, सरला कृष्णचन्द्र पुरस्कार, पृथ्वीनाथ चन्द्र कुमारी पुरस्कार में पुरस्कृत बच्चों को नकद पुरस्कार दिए गए। अखिल भारतीय भार्गव सभा से पुरस्कृत बच्चों में गीता रामायण परीक्षा में कु. अंशिका (सुपुत्री श्रीमती अनु-श्री संजीव), मा. कुशाग्र (सुपुत्र श्रीमती गुंजन-श्री नरेन्द्र), मा. आकाश (सुपुत्र श्रीमती प्रीति-श्री रवि), सांस्कृतिक कार्यक्रम में पुरस्कृत कु. अपूर्वा एवं श्रीमती विजयलक्ष्मी को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती नीरा द्वारा गीता रामायण परीक्षा में भाग लेने वाले सभी 5 बच्चों को नकद पुरस्कार दिया गया।

श्रीमती शोभना एवं श्रीमती मीरा द्वारा सदस्यों को विभिन्न खेल खिलाए गए जिनका सभी ने आनन्द लिया एवं उत्साहपूर्वक भाग लिया। अन्त में लक्की ड्रा का आयोजन किया गया एवं सदस्यों ने स्वादिष्ट प्रीतिभोज का आनन्द लिया। समस्त आयोजन एवं प्रीतिभोज की व्यवस्था श्री हरीश (सरिता विहार) द्वारा स्वेच्छा से की गयी। हम उनका

तहेदिल से धन्यवाद करते हैं। मंच संचालन श्रीमती शोभना द्वारा किया गया। सभा इनका भी धन्यवाद करती है। लक्की ड्रॉ के पुरस्कार श्री मनमोहन कुमार, प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा प्रायोजित किए गए। इसके लिये सभा आपका आभार प्रकट करती है।

इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिन सदस्यों ने अपना योगदान दिया तथा सभी दानदाताओं की भी सभा अत्यन्त आभारी है जिन्होंने हमें हमेशा अपना सहयोग दिया है।

दिल्ली: (2) साधारण बैठक; 13.2.2011 अपरान्ह 3 बजे; स्थान: सत्संग भवन 7/24, दरिया गंज; उपस्थिति: 70

ईश वन्दना के उपरान्त मुख्य सचिव ने अत्यन्त दु:ख के साथ सदस्यों को बताया कि हमारे आदरणीय सदस्य श्री उमेश (भ्राता श्री योगेश, पूर्व प्रधान, दिल्ली भार्गव सभा) एवं श्री अमर नाथ (भ्राता श्री सुरेन्द्र नाथ, पूर्व प्रधान, दिल्ली भार्गव सभा) हमसे सदैव के लिए बिछुड़ गए हैं। सभा द्वारा इनके निधन पर शोक प्रकट किया गया तथा शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

कार्यवाही स्थगित कर पुन: आरम्भ की गई। चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र नाथ ने चुनाव परिणामों की घोषणा की। मतदान की आवश्यकता न होने के कारण सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। **प्रधान:** श्री योगेश, **मुख्य सचिव:** श्री संजीव, **कोषाध्यक्ष:** श्री नरेन्द्र, **उपप्रधान:** श्री हरीकान्त, श्री उमेश, श्रीमती नीरा एवं श्री नरेश, **सचिव:** श्रीमती शोभना एवं श्री मोहित चुने गए। आडिटर श्री उमाकान्त को चुना गया। पूर्ण कार्यकारिणी का गठन बाद में किया जाएगा।

अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी हेतु चार सदस्यों को भेजने पर चर्चा की गई। इसमें सर्वसम्मति से श्री निहाल, श्रीमती नीरा, श्री उमेश एवं श्री शशी भूषण को भेजने का निश्चय किया गया।

होली का कार्यक्रम 27.3.2011 को करने का निश्चय किया गया।

अन्त में प्रधान जी को अध्यक्षता, सभी सदस्यों को अमूल्य सुझावों एवं श्री राजेन्द्र नाथ को चुनाव सम्पन्न कराने हेतु धन्यवाद देने के उपरान्त जलपान के साथ कार्यवाही समाप्त की गई।

बी-182/3, अरविन्द नगर, घौंडा, दिल्ली-110053 **संजीव भार्गव**
फोन: 011-22178379, मो. 09212944109 मुख्य सचिव

(दिल्ली भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 17.3.2011 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुईं)

कोलकाता: (1) असाधारण बैठक (शोक सभा); 30.1.2011; स्थान: निवास श्री बाल्मीकि, कन्वेंट एन्कलेव; अध्यक्षता: श्री अशोक; उपस्थिति: 30

आज की यह असाधारण बैठक सबके चहेते, हर दिल अजीज श्री पवन के असामयिक दु:खद निधन पर आयोजित हुई। हठात् स्थानीय भार्गव समाज के क्षितिज पर असमय ही एक चमकता सितारा लुप्त हो गया।

श्री विद्याशंकर के अनुसार वे बहुत मिलनसार एवं आतिथ्य सत्कार-कुशल व्यक्ति थे। भोजन-व्यवस्था में उनकी क्षमता बेमिसाल थी। श्री मुनीश एवं श्री विजय ने भी स्व. पवन की क्रियाशीलता, जिम्मेदारी का भाव एवं उनके काम करने के अन्दाज की सराहना की। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर भार्गव बन्धुओं के लिये विविधताओं से पूर्ण भोजन की व्यवस्था की थी, वह आज तक अविस्मरणीय है।

तत्पश्चात् 2 मिनट का मौन रख सदस्यों ने उनकी आत्मा की शान्ति के लिये परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की व निम्न शोक प्रस्ताव पारित किया।

''कोलकाता भार्गव सभा की यह असाधारण बैठक अपने सदस्य व सभापति श्री पवन कुमार के दुःखद निधन पर अत्यन्त शोक प्रकट करती है। सभा प्रार्थना करती है कि परमपिता परमेश्वर श्री पवन की दिवंगत आत्मा को शान्ति प्रदान करे व उनके परिवार वालों को इतनी शक्ति दे कि व इस गहन दु:ख को सहन कर सकें।'' तत्पश्चात सभा विसर्जित हुई।

कोलकाताः (2) पिकनिक एवं वार्षिक चुनाव; 27.2.2011; स्थानः 'बनवितान', सेन्ट्रल पार्क; अध्यक्षताः श्री अशोक; सौजन्यः श्री हरीश, सचिव

वासन्ती रवि-रश्मियों के झिलमिलाते प्रकृति के आँचल में नीलाम वितान तले हरित वृक्ष-कुँज में शबनम से भीगी मखमली घास के कालीन पर जोशोल्लास से भरी पिकनिक का आयोजन हुआ।

प्रातः 9.30 बजे से सदस्यों ने निजी वाहनों से पिकनिक स्थल पर पहुँचना शुरु कर दिया जिनकी अगवानी में श्री हरीश सपत्नीक पहले से ही उपस्थित थे। गरमागरम चाय के साथ पौष्टिक जलपान हुआ। अधिकांश सदस्यों ने पार्क का भ्रमण कर प्राकृतिक सौन्दर्य का रसास्वादन किया।

पुनः शीतल पेय एवं विविध स्नेक्स के बाद ईश वन्दना से सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई। गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई। सभा द्वारा पारित निम्न बधाई प्रस्ताव पढ़ा गया जिस पर सदस्यों ने करतल ध्वनि कर हर्ष प्रकट किया।

''कोलकाता भार्गव सभा की यह बैठक अपने सदस्य श्री प्रेम कुमार की सुपुत्री आयु. अनामिका के चि. विश्वनाथ पटवारी (कोलकाता) के साथ 22.2.2011 को विवाह सम्पन्न होने पर हार्दिक प्रसन्नता प्रकट करती है। तथा नवयुगल को मंगल वैवाहिक जीवन की शुभकामना करती है।''

वरिष्ठ सदस्य श्री मुनीश ने सभा को पुनः गतिशील एवं क्रियाशील बनाने के लिये युवाओं में कर्तव्यनिष्ठता एवं प्रेरक स्फूर्ति का संचार किया। श्री विद्याशंकर ने भविष्य में सभा को आगे बढ़ाने व सशक्त बनाने की अपील की।

अखिल भारतीय भार्गव सभा की प्रबन्ध समिति के लिये स्थानीय सभा के प्रतिनिधि के रूप में श्री विद्याशंकर को मनोनीत किया गया। चुनाव-सम्बन्धी संशोधन का सुझाव देते हुये श्री मुनीश ने कहा कि स्थानीय सदस्यों की संख्या कम होने के कारण कार्यकारिणी समिति को संक्षिप्त किया जाये, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति दी। उक्त प्रस्ताव के अनुसार स्थानीय कार्यकारिणी समिति के लिये निम्न सदस्यों का सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुआ। **अध्यक्षः** श्री अशोक (30/31, कलाकार स्ट्रीट, भारत डायर्स एण्ड ड्राईक्लीनर्स, भूतल, कोलकाता-700007, फोनः 033-22682327, मो. 09339772649); **उपाध्यक्षः** श्री रवि, **सचिवः** श्रीमती कुमकुम (एफ-14, काटजू नगर, साउथ सिटी मॉल के पीछे, भूतल, कोलकाता-700032, फोनः 033-24187258, मो. 09433891537, ई-मेलः kkb099@gmail.com; **उपसचिवः** श्रीमती गीता, **सांस्कृतिक सचिवः** श्रीमती कुमकुम, श्रीमती गीता, **कोषाध्यक्षः** श्री हिमांशु, **निरीक्षकः** श्री बाल्मीकि, **भण्डारीः** श्री दिलीप, **पदेन सदस्य/संरक्षकः** सभी भूतपूर्व प्रधान।

मध्यान्ह भोजन के समय श्री हरीश द्वारा आयोजित लजीज विविध व्यंजनों से भरपूर भोजन ने स्व. पवन की याद दिला दी जिस पर श्री मुनीश ने 'आज की सभा व पिकनिक स्व. पवन के नाम' पर कर उन्हें पुनः भावभीनी श्रद्धाँजलि दी। अन्त में श्री हिमांशु ने आज की सफलतम पिकनिक के आयोजन व सरस स्वादिष्ट भोजन-व्यवस्था के लिये श्री हरीश एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनुपमा को व उपस्थित सदस्यों को सभा की ओर से धन्यवाद दिया। ईश-प्रार्थना के बाद सभा विसर्जित हुई।

एफ-14, काटजू नगर, साउथ सिटी मॉल के पीछे, भूतल, श्रीमती कुमकुम भार्गव
कोलकाता-700032, फोनः 033-24187258, मो. 09433891537 सचिव

(कोलकाता भार्गव सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 18.3.2011 को प्राप्त हुईं)

जोधपुर : साधारण बैठक; 20-3-11; होली मिलन उत्सव; स्थानः उत्सव होटल; अध्यक्षताः श्री चित्रेश भार्गव; उपस्थितिः 110

ईश वंदना के पश्चात गत बैठक की कार्यवाही का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यसत्र 2009-11 की यह आखिरी साधारण बैठक थी। बैठक में स्थानीय भार्गव सभा के अनुमानित आय-व्यय के संदर्भ में सदस्यों को जानकारी दी गई।

सुश्री लता, पुत्री श्री ब्रजमोहन लाल द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा संचालित 'श्रीमन् नारायण कोष' के लिए 10,000/-रुपए का एक चैक दिया गया। स्थानीय भार्गव सभा ने इस सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। आगामी सत्र 2011-13 के लिए डा.गजेश को अध्यक्ष बनाया गया। डा.गजेश द्वारा उनकी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का परिचय कराया गया।

श्री सुरेन्द्रनाथ द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा की गतिविधियों में जोधपुर भार्गव सभा के ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को भागीदारी हेतु आमंत्रित किया गया।

डॉ. गजेश द्वारा होली मिलन उत्सव में होली गेम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम श्री दिनेश एवं सुश्री लता तथा द्वितीय संयुक्त रुप से श्रीमती वृतिका, श्रीमती मीना एवं श्रीमती शुभा रही। विजेताओं को श्री एस.एन.भार्गव के सौजन्य से श्रीमती विद्या देवी द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। हाउजी गेम खेला गया।

बैठक के पश्चात जोधपुर भार्गव सभा से अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी में निर्वाचित एवं मनोनीत सदस्यों सर्वश्री सुरेन्द्रनाथ, प्रमोद, डा.गजेश, अनिल, वेद एवं चित्रेश के सौजन्य से रात्रिभोज का आयोजन किया गया।

5/133, चौपासनी, हाउसिंग बोड, जोधपुर, मो. 09352669241 — **वेद भार्गव,** सचिव

(जोधपुर भार्गव सभा की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 22.3.2011 को प्राप्त हुई)

With Best Compliments From

Naresh Chandra Bhargava & Rajni Bhargava

PARIDHAN KNITWEAR

(Manufacturers of exclusive Woollen & Fabric Garments for infants)

• • •

'Chandra House'

558, Dr. B.N. Verma Road (Kutchery Road),

Lucknow-226 018

Ph. : (0522) 2612497 • Mobile : 09335908149

हमारी महिला सभाएँ

मथुराः (1) साधारण बैठक एवं नववर्ष स्वागत; 23.1.2011 दोपहर 1 बजे; स्थानः निवास श्रीमती सरिता (राधापुरम); अध्यक्षताः श्रीमती आशू

ठण्डे मौसम से कुछ राहत पाने के बाद खुली धूप में सब महिलायें हंसी खुशी माहौल में एकत्रित हुई। सर्वप्रथम ईश वन्दना तथा रामायण का पाठ हुआ। दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण श्रीमती मधु (जयपुर से स्थानान्तरित) द्वारा किया गया। समयबद्धता पुरस्कार नूतन जी को मिला। नववर्ष की बधाई के बाद सचिव पूनम द्वारा गत बैठक की कार्यवाही पढ़ी गई। इसके बाद सभा की बड़ी तथा छोटी उम्र की सदस्याओं द्वारा 'पासिंग द पासिंग' गेम खेला गया जिसमें स्लिप द्वारा निकलने वाले Act को करना था सभी सदस्याओं ने म्यूजिक, डाँस, चुटकुले आदि का खूब मजा लिया। सभी को उपहार वितरित किये गये। इसमें विजेता रहीं प्रथम नूतन जी व द्वितीय शशि जी। अध्यक्षा आशू जी द्वारा विगत तीजोत्सव पर डाण्डिया डाँस के कलाकारों को उपहार दिये। श्रीमती चित्रा (राकेश) को बनारस अधिवेशन में बुनाई में प्रथम पुरस्कार हेतु बधाई व महिला सभा से विशेष उपहार दिया गया। श्रीमती मालती द्वारा तीजोत्सव में प्रस्तुत बच्चों को देशभक्ति के नृत्य पर उपहार दिए गए। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण रहा Winter हाऊजी का। जिसका सभी ने खूब आनन्द लिया। उपमन्त्राणी श्रीमती नीतू को पुत्ररत्न की प्राप्ति पर बधाई दी गई। इसके बाद सभी सदस्याओं द्वारा बनाये गये व्यंजनों को परोसा गया व साथ-साथ लंच किया गया। सभी सदस्याओं को पूर्ण सहयोग के लिये धन्यवाद दिया गया व विशेष सहयोग व आभार सरिता जी को दिया गया जिन्होंने कार्यक्रम के लिये बहुत सुन्दर आयोजन रखा था।

मथुराः (2) बसन्तोत्सव; 16.2.2011; स्थानः निवास श्रीमती मनीषा (मिडलैण्ड कम्पाउण्ड); अध्यक्षताः श्रीमती आशू

सभी सदस्याओं का स्वागत पीले फूलों को बालों में लगाकर सचिव पूनम तथा संगीता जी द्वारा किया गया। पीले गुब्बारे व पीले फूलों से सुन्दर सजावट मनीषा जी द्वारा की गई थी। कार्यक्रम का शुभारम्भ लखनऊ निवासी श्रीमती कृष्णा द्वारा दीप जलाकर किया गया। तत्पश्चात ईश वन्दना एवं रामायण पाठ किया गया। समयबद्धता पुरस्कार श्रीमती मीनू को मिला। बसन्त के स्वागत में श्रीमती सुशीला एवं गीता जी द्वारा सुन्दर गीत सुनाये गये। श्रीमती कमल द्वारा बसन्त के महत्व को बताया गया। कु. खुशी द्वारा सरस्वती वन्दना तथा कृष्णा जी (लखनऊ) एवं मनीषा जी द्वारा सुन्दर शारदा वन्दन गाया गया। इस अवसर पर अनेक खेल एवं प्रतियोगितायें आयोजित की गईं। बसन्त बहार के पावन पर्व पर एक तगड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसे फूलों एवं सब्जियों से बनानी थी प्रतियोगिता में 5 सदस्याओं ने भाग लिया। निर्णायक श्रीमती शकुन्तला एवं साधना जी रहीं। श्रीमती मनीषा विजेता एवं शिल्पी जी द्वितीय रहीं।

विभिन्न आयु वर्ग के गेम्स में - 60 वर्ष से ऊपर महिलाओं की म्यूजिकल चेयर - प्रथम श्रीमती सुशील जी एवं द्वितीय श्रीमती कमल जी, 40 से 60 वर्ष तक नीबू रेस - प्रथम दीपा एवं द्वितीय साधना जी, 40 वर्ष तक पीले गुब्बारों पर पति का नाम लेखन - प्रथम अनुभा एवं द्वितीय मनीषा जी रहीं। विवाह वर्षगाँठ के उपहार दिये गये तथा सभी विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। होली उत्सव पर विचार किया गया। अध्यक्षा आशू जी द्वारा बताया गया कि अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा द्वारा सचिव रेनू जी का पत्र बैठक के विषय में प्राप्त हुआ है सर्वसम्मति से इस बैठक को सितम्बर माह में कराने का निर्णय लिया गया तथा यह सूचना रेनू जी को भेज दी जायेगी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पीले कागज से बनी बसन्ती हाऊजी रही जिसका सभी ने आनन्द लिया। सभी महिलायें पीले

वस्त्रों में आकर्षक दिख रही थीं। साल के वार्षिक चन्दे में दो लकी ड्रा निकाले गये जिसमें श्रीमती कमल जी व श्रीमती इन्दु जी विजेता रहीं। श्रीमती मनीषा को स्वादिष्ट जलपान एवं सुन्दर व्यवस्था हेतु धन्यवाद देकर बैठक समाप्त हुई।

गोविन्द नगर, मथुरा **श्रीमती पूनम भार्गव**
फोन: 0565-3205995 सचिव

(मथुरा भार्गव महिला सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 22.2.2011 को प्राप्त हुईं)

जोधपुर: बसन्त पंचमी व नववर्ष उत्सव; 22.1.2011; स्थान: होटल उत्सव

ईश वन्दना के पश्चात रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पाँच प्रतियोगियों ने भाग लिया - प्रथम आशिमा, द्वितीय अमिता रहीं। दीपाली, शालिनी एवं निधि को भी पुरस्कृत किया गया। उसके बाद बसन्त उत्सव को ध्यान में रखकर गेंदे के फूल में एक गेम खेला गया। जिसकी विजेता मीना जी एवं द्वितीय सरिता जी रहीं। तीसरा गेम Lucky बसन्त क्वीन का खेला गया। जिसमें प्रथम निधि जी एवं द्वितीय उमा जी रहीं। तत्पश्चात एक हाऊजी गेम खेला गया जो श्रीमती निधि द्वारा बनाया गया। उसकी विजेता उमा जी एवं द्वितीय अमिता जी रहीं।

सभी महिलायें पीले परिधान में आई व उत्साहपूवक उत्सव में भाग लिया।

अन्त में सभी को पुरस्कृत किया गया व श्रीमती निधि द्वारा श्रीमती रितु, निधि, शालिनी (घोड़ा का चौक), उमा जी, रुचि जी, कमला जी, निधि (राजेश), सरिता जी, सुषमा जी एवं अमिता को धन्यवाद दिया गया।

27/14, आदर्श सोसाइटी, शास्त्री सर्किल के पास, जोधपुर-342003 **श्रीमती निधि भार्गव**
फोन: 0291-2742424, मो. 09351256196 सचिव

(जोधपुर भार्गव महिला सभा की उपरोक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 8.3.2011 को प्राप्त हुई)

भोपाल: वार्षिक रिपोर्ट

भोपाल भार्गव महिला सभा की स्थापना 21.2.2010 को की गई। प्रथम कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया एवं वार्षिक कार्यक्रमों की सूची बनाई गई। अध्यक्षा श्रीमती वीना एवं सचिव श्रीमती अचला चुनी गईं। पूरे वर्ष में सात साधारण सभा हुईं जिनमें विभिन्न प्रतियोगितायें एवं अन्य कार्यक्रम किये गये।

अप्रैल माह में 'ग्रीष्मावकाश में बच्चों की छुट्टी को कैसे सार्थक बनाया जाए' विषय पर परिचर्चा रखी गई जिसमें सभी सदस्यों ने अपने सारगर्भित विचार रखे। जून माह में 'तीयल पैकिंग' की प्रतियोगिता रखी गई जिसकी विजेता श्रीमती राखी एवं उपविजेता श्रीमती अर्चना रहीं। अगस्त माह में 'झूला-उत्सव' अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसमें विभिन्न सदस्यों ने सावन के सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी और बच्चों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये। जयपुर से पधारी डा. संगीता ने भी आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। 'तीज क्वीन' का खिताब श्रीमती अर्चना को मिला। मेंहदी प्रतियोगिता में श्रीमती शुभा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अक्टूबर माह में निबन्ध प्रतियोगिता रखी गई जिसका विषय था 'बढ़ती व्यस्तता में घटता त्योहारों का महत्व' इसकी विजेता श्रीमती ऋचा रहीं व सन्त सहजोबाई का रूप धारण करके कु. गीतिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिसम्बर माह में कचौरी बनाने की प्रतियोगिता रखी गई जिसकी विजेता सुश्री सारिका रहीं। बच्चों के लिये 'ग्रीटिंग कार्ड' बनाने की प्रतियोगिता रखी गई थी जिसमें निर्णायिका श्रीमती हेम का सुझाव था कि सभी बच्चों के प्रयास सराहनीय हैं तो सभी को पुरस्कृत करना चाहिये। उनके इस सुझाव का सभी ने स्वागत किया और सचिव ने सबको पुरस्कृत करने का आश्वासन दिया। जनवरी माह में एक वर्ष पूरा होने पर एक general knowledge पर आधारित गेम रखा गया। वर्ष भर के विजेताओं को इस बैठक में पुरस्कृत किया गया।

इन प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त प्रत्येक बैठक में एक गेम मेजबान स्वयं रखता था और समय से उपस्थित होने वाले सदस्यों के नामों का लकी ड्रा खोला जाता था। ये दोनों पुरस्कार मेजबान स्वयं देता था। हाऊजी का आनन्द भी उठाया जाता था।

इस प्रकार से भोपाल की भार्गव महिला सभा ने सफलता पूर्वक एक वर्ष पूरा किया।

डी-51, फाइन एवेन्यू, नयापुरा, कोलार रोड, भोपाल **श्रीमती अचला भार्गव**
फोन: 2416952 सचिव

(भोपाल भार्गव महिला सभा की उपरोक्त रिपोर्ट सभा कार्यालय में 11.3.2011 को प्राप्त हुई)

अजमेर: (1) साधारण बैठक एवं खेलकूद प्रतियोगिता; 9.1.2011; स्थान: राज्यकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, तोपदड़ा; अध्यक्षता: श्रीमती प्रेम

प्राथमिक औपचारिकताओं के बाद धार्मिक चर्चा सामूहिक रूप से हुई। अध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा के द्वारा 25.12.2010 को बनारस में अधिवेशन के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता में श्रीमती सीमा (धर्मपत्नी नीरज एवं पुत्रवधु श्रीमती प्रेम, तोपदड़ा) को ग्लास पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार एवं श्रीमती चित्रा (कुँदन नगर) को कढ़ाई में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। समस्त सदस्यों ने ताली बजाकर प्रसन्नता जाहिर की।

बच्चों के विभिन्न आयु वर्ग में खेल प्रतियोगिता आयोजित की गईं जिसमें 4-7 वर्ष आयु वर्ग के अन्तर्गत चम्मच रेस में प्रथम हार्दिक एवं द्वितीय मान्या एवं अक्षिता रहीं। मेढ़क रेस में प्रथम हार्दिक एवं द्वितीय तनीश रहे। 7-11 वर्ष आयु वर्ग में सादा रेस में प्रथम अक्षित एवं द्वितीय अमिशा रही। लंगड़ी टाँग में प्रथम अक्षत एवं द्वितीय देवेश रहे। 11-14 वर्ष आयु वर्ग में सादा रेस में प्रथम जयेश एवं द्वितीय वैभव रहे। बोरी रेस में प्रथम आशुतोष एवं द्वितीय जयेश रहे। महिलाओं की कुर्सी रेस में प्रथम श्रीमती कविता एवं द्वितीय श्रीमती भावना रहीं। समस्त विजेताओं को श्रीमती रचना एवं शुभदा के सौजन्य से पुरस्कार अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के द्वारा प्रदान किये गये।

अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये समस्त कार्यकारिणी को पूर्ण सहयोग के लिये बैठक एवं खेलकूद की व्यवस्था के लिए सुश्री मंजु को धन्यवाद दिया।

21-ए, बापू नगर, अजमेर-305001, मो. 09461594921 **श्रीमती मधु भार्गव**, सचिव

अजमेर: (2) कार्यकारिणी बैठक एवं बसन्त उत्सव; 20.1.2011 दोपहर 3 बजे; स्थान: निवास श्रीमती रचना (हाथी भाटा), अध्यक्षता: श्रीमती प्रेम

प्रारम्भिक औपचारिकताओं के पश्चात गत बैठक की कार्यवाही का सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। बसन्त उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सरस्वती देवी की वन्दना की गई, दीप प्रज्ज्वलित किया जाकर प्रतिमा पर पुष्पहार पहनाये। कार्यकारिणी के सदस्यों ने पीले वस्त्र धारण किये हुये थे। वार्षिक उत्सव मई में किया जाना तय किया गया। श्रीमती प्रेमा (शा.न.) ने अपनी शादी की 50वीं सालगिरह पर सभा को रु. 501/-; श्रीमती कविता (कुमुद) ने अपने पुत्र के विवाह के उपलक्ष्य में रु. 251/-; एवं श्रीमती पारुल (स्टेट बैंक) ने अपने भाई की शादी के उपलक्ष्य में सभा को रु. 501/- दान दिये। अध्यक्षा ने समस्त दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया। श्रीमती अंशु ने खाण्डवी बनाने की विधि बताई। अध्यक्षा ने श्रीमती रचना को सुन्दर जलपान हेतु धन्यवाद दिया।

सुन्दर विलास, अजमेर **श्रीमती कुमुद भार्गव**, सहसचिव

(अजमेर भार्गव महिला सभा की पहली कार्यवाही सभा कार्यालय में 12.3.2011 को एवं दूसरी 18.3.2011 को प्राप्त हुई)

रेवाड़ी: (1) साधारण बैठक; 28.1.11; स्थान: निवास श्रीमती विनिता व श्रीमती कल्पना; अध्यक्षता: श्रीमती रजनी; उपस्थिति: 27

बैठक का प्रारम्भ ईशवन्दना व हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ। आज की सभा में डा. नरेन्द्र व डा. कविता को आमन्त्रित किया गया था। जिनका स्वागत अध्यक्षा श्रीमती रजनी ने किया। डा. साहब ने डायबिटीज, सरवाईकल कैंसर, आँख की बीमारी से बचने के उपाय बताए। उन्होंने सन्तुलित आहार के बारे में विस्तार से बताया। ब्रैस्ट कैंसर के टैस्ट हर 2 साल में कराने को बताया साथ ही हाथ धोने की प्रक्रिया को भी बताया।

दो गेम कराये गए जिनकी विजेता सुनीता जी (कायस्थवाड़ा) एवं सुमति जी रहीं। हाऊजी के 2 राउण्ड खिलाए गए। किट्टी श्रीमती उर्मिला व दीपाली जी की खुली। स्वादिष्ट जलपान के लिए अध्यक्षा रजनी जी व सचिव अमीता जी ने धन्यवाद देते हुए सभा समाप्त की।

रेवाड़ी: (2) पिकनिक; 19.2.2011; स्थान: ओम शान्ति रिट्रीट सैन्टर (ब्रह्मकुमारी), बिलासपुर; उपस्थिति: 25 बालगोपाल सहित

वहाँ एक घंटे की मेडीटेशन की क्लास लगी। इसके बाद हमें आर्ट गैलरी घुमाई गई, जिसमें हर चीज देखने लायक थी। सबके बारे में बताने के लिए ब्रह्मकुमारी की सदस्या हमारे साथ थी। सभी को देखने में बहुत मजा आया।

वहाँ का गार्डन देखने लायक था। दिन का भोजन और शाम की चाय/कॉफी हमें वहीं उपलब्ध हुई थी।

इसके पश्चात् 2 हाऊजी के राउण्ड खिलाए गए। एक अन्य गेम भी खिलाया गया। जिसकी विजेता सुनीता जी रहीं। हम सभी ने वहाँ बहुत एन्जॉय किया। सायं 6.30 बजे हम सब रेवाड़ी वापस आ गए।

509-510, कुतुबपुर, रेवाड़ी — अमिता भार्गव
मो. 09315517704 — सचिव

(रेवाड़ी भार्गव महिला सभा की उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 12.3.2011 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुईं)

गुड़गाँव: चुनाव; 29.1.2011 दोपहर 12 बजे; स्थान: निवास श्रीमती आराधना; उपस्थिति: 18

ईश वन्दना एवं तम्बोला खेलने के पश्चात पूल लंच का आयोजन था अत: सभी कुछ न कुछ बना कर लाये थे सबने मिल कर खाया व आनन्द लिया।

तत्पश्चात चुनाव प्रक्रिया हुई जिसमें श्रीमती बीनू अध्यक्ष पद के लिये तथा श्रीमती अमिता (सैक्टर 14) सचिव पद के लिये सर्वसम्मति से चुनी गईं। परिणाम इस प्रकार रहे:- **अध्यक्षा:** बीनू (पावरग्रिड), **उपाध्यक्षा:** श्रीमती साधना (मियाँ वाली कॉलोनी), **सचिव:** श्रीमती अमिता (सैक्टर 14), **उपसचिव:** श्रीमती बीना (सैक्टर 15), **कोषाध्यक्षा:** श्रीमती सुनीता (मियाँ वाली कॉलोनी), सांस्कृतिक सचिव: श्रीमती इरा (मालिबू टाउन), कार्यकारिणी सदस्याएँ: श्रीमती रीटा (सैक्टर 41), श्रीमती मनीषा (सुशान्त एस्टेट), श्रीमती सुजाता (पावरग्रिड), श्रीमती रचना (विजय रतन विहार), श्रीमती अलका (सैक्टर 14)।

अन्त में श्रीमती आराधना को स्थान व अच्छी आवभगत के लिये धन्यवाद देते हुये सभा समाप्त की गई।

1544-ए, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सैक्टर 31, गुड़गाँव — **श्रीमती रुचि भार्गव**
फोन: 0124-2580952, मो.: 09899468927 — सचिव

(गुड़गाँव भार्गव महिला सभा की उपरोक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 18.3.2011 को प्राप्त हुई)

अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ (रजि.)

(1) विशेष अधिवेशन; 24.12.2010; स्थानः सांस्कृतिक संकुल, चौका घाट, वाराणसी; अध्यक्षता: श्री संजीव (अध्यक्ष, अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ)

ईश वन्दना के पश्चात प्रधान सचिव ने सभी उपस्थित सदस्यों के साथ संविधान समीक्षा उपसमिति एवं कार्यकारिणी द्वारा पारित संविधान पर चर्चा प्रारम्भ की। सभी उपस्थित सभासदों ने एक मत से संविधान में आरक्षण की बात खत्म करते हुये और कुछ सुझावों के साथ संविधान पास किया। संविधान समीक्षा समिति के संयोजक श्री संजीव (दिल्ली) ने सभी सुझावों को संविधान में सम्मलित करते हुये इसको साधारण अधिवेशन में प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया। तदुपरान्त वाराणसी भार्गव सभा को धन्यवाद देते हुये अधिवेशन की समाप्ति हुई।

(2) साधारण अधिवेशन; 25.12.2010; स्थानः सांस्कृतिक संकुल, चौका घाट, वाराणसी; अध्यक्षता: श्री संजीव (जयपुर)

सभी उपस्थित सदस्यों ने निम्न प्रस्ताव पारित किये:-

संविधान समीक्षा उपसमिति द्वारा बनाया गया नया संविधान अखिल भारतीय भार्गव सभा के मानकों द्वारा तय करते हुये सर्वसम्मति से पास किया गया। वर्तमान कार्यकारिणी जो मार्च 2011 तक के लिये गठित की गई थी का कार्यकाल 1 वर्ष के लिये बढ़ाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। अखिल भारतीय भार्गव सभा से यह अनुरोध किया गया कि आगामी अधिवेशनों के अवसर पर अखिल भारतीय भार्गव महिला सभा की तरह अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ को भी बैठकें आयोजित करने के लिये समुचित व्यवस्था प्रदान करे।

संजीव भार्गव, अध्यक्ष, जयपुर **नरेन्द्र भार्गव**, प्रधान सचिव, मयूर विहार, दिल्ली

(उपरोक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 14.3.2011 को प्राप्त हुई)

With Best Compliments From

PREMIER PAPER PACKAGING

(A Unit of Raja Ispat Pvt. Ltd.)

Manufacturers of Paper Board Packaging

I-42, Site-V, Kasna Industrial Area,
Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar-201 308 (U.P.)
Mobile: 09310117768, 09910097768
E-mail : info@premierpaperpackaging@gmail.com
Res: C-75, Sarita Vihar, New Delhi - 110 076
Phones : (011) 26948615 • 26943196 • 29942587

भार्गव युवा संघ जयपुर: (1) साधारण बैठक; 13.2.11 प्रातः 11 बजे; स्थानः महर्षि भृगु सदन; उपस्थितिः 15

ईश वन्दना के पश्चात अध्यक्ष जी द्वारा 'जश्न-2011' के सफल आयोजन के लिए कार्यकारिणी के सदस्यों सहित संयोजक श्री सोमेश एवं श्री राजीव को धन्यवाद दिया गया तथा कोषाध्यक्ष श्री अजय ने 'जश्न-2011' के आयोजन का आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

उपाध्यक्ष श्री समीर ने सुझाव दिया कि युवा संघ जयपुर एवं जयपुर भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्यों के मध्य क्रिकेट के सदभावना मैच का आयोजन 27.2.2011 को किया जाए। निश्चय किया गया कि इस हेतु एक पत्र जयपुर भार्गव सभा को दे दिया जाए।

अध्यक्ष जी ने सुझाव दिया कि खाटू श्याम जी एवं सालासर जी के दर्शन हेतु यात्रा के आयोजन पर विचार किया जाये।

अन्त में सचिव श्री तरुण द्वारा श्री राजीव (मानसरोवर) को जलपान के लिए धन्यवाद दिया गया।

257, गायत्री नगर ए, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर-302018 **तरुण भार्गव**
फोन: 2761352, मो. 09829062899 सचिव

(जयपुर भार्गव युवा संघ की उपरोक्त कार्यवाही भार्गव सभा कार्यालय में 16.2.2011 को ई-मेल द्वारा प्राप्त हुई)

भार्गव युवा संघ जयपुर: (2) सदभावना क्रिकेट मैच; 27.2.2011; स्थानः सुबोध स्कूल का खेल प्रांगण

भार्गव युवा संघ जयपुर एवं जयपुर भार्गव सभा की कार्यकारिणी सदस्यों का सदभावना क्रिकेट मैच कुल 20-20 ओवरों का होना तय हुआ।

सर्वप्रथम टॉस भार्गव सभा टीम के कप्तान श्री पंकज एवं युवा संघ टीम के कप्तान श्री आशीष के बीच श्री नरेश (अध्यक्ष, जयपुर भार्गव सभा) की उपस्थिति में कराया गया। श्री आशीष ने टॉस जीतने पर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया तथा युवा संघ टीम ने कुल 20 ओवरों में 175 रन बनाये।

जयपुर भार्गव सभा की पूरी टीम 110 रन बनाकर आउट हो गई। युवा संघ की टीम से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी श्री सुमित को चुना गया तथा भार्गव सभा की टीम से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी श्री अशोक (महावीर नगर) को चुना गया।

खेल प्रांगण में नाश्ता व भोजन की व्यवस्था श्री नरेश (अध्यक्ष, जयपुर भार्गव सभा) की ओर से की गई जिस पर वहाँ सभी सदस्यों द्वारा उनको धन्यवाद दिया गया।

जयपुर, मो. 09829062899 **तरुण भार्गव**, सचिव

(भार्गव युवा संघ, जयपुर की उपरोक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 18.3.2011 को प्राप्त हुई)

Looking for a suitable match for ABHISHEK BHARGAVA

Date of Birth : 27th August, 1984 ***Time*** : 9.47 a.m.
Height : 5'11" (180.3 cms) ***Gotra*** : Bachlash
Complexion : Wheatish ***Kuldevi*** : Nagan
Education : B.Tech. (Chemical Engineering), University School of Chemical Technology, GGS Indraprastha University, New Delhi. Awarded DAAD Scholarship by Federal Republic of Germany under German Academic Exchange Service. Recipient of 'Golden Jubilee Scholarship' by Indian Institute of Chemical Engineers. M.S. (Material Sciences Energy Storage) under European Union.
Profession : Research Associate in Virtuchon (Virtual High Temperature Conversion Centre for Innovation and Competence) Frieberg, Germany.

Family Details:

Father : Mr. Chaitan Bhargava (S/o Late Brij Nath Bhargava, Agra), Marketing Garments
Mother : Mrs. Ela Bhargava (D/o Late Hari Shankar Bhargava), Headmistress, N.C. Jindal Public School, Delhi.
Sister : Mansi Bhargava, B.tech. (Mechanical & Automation Engineering), Final Year from I.P. University, Delhi

Please Contact:
Mr. Chaitan Bhargava
57-B, Pocket ED, Pitampura, Delhi-110034
Phone: 011-27311518 • Mobile: 09313599357
E-mail: bhargava_chaitan@yahoo.com • chaitan.bhargava@gmail.com

Looking for a suitable match for VIJAY BHARGAVA

Date of Birth : 18th October, 1983 ***Time & Place*** : 5.25 p.m., Bhopal
Height : 5'7" (170 cms) ***Gotra***: Golash ***Kuldevi***: Shakra
Education : B.E. (Computer Science & Engineering)
Profession : Working as Software Engineer in Moser-Baer, Noida, U.P.
Income : Rs. 4.5 lacs per annum

Family Details:

Father : Mr. Rakesh Bhargava (S/o Late T.N. Bhargava, Advocate, Multai) having business at Bhopal
Mother : Mrs. Shobha Bhargava (D/o Late B.D. Bhargava, Jabalpur), Housewife
Tauji : Mr. S.S. Bhargava, Retired Dy. General Manager, BHEL, Bhopal
Dr. G.P. Bhargava, Retired Joint Director, C.S.S.R.I., Karnal
Mr. S.C. Bhargava, Retired General Manager, BHEL, Bhopal
Bua-Phuphaji : Mrs. Saroj Bhargava, married to Mr. Girish Bhargava, Mumbai
Mama : Mr. Shiv Kumar Bhargava, Retired Gazetted Officer, G.C.F., Jabalpur
Mr. Ashok Bhargava, having business at Jabalpur
Mausi : Mrs. Madhu Bhargava, married to Mr. S.C. Bhargava, Agra
Mrs. Rajkumari Bhargava, married to Mr. M.N. Bhargava, Kanpur
Mrs. Shail Bhargava, married to Mr. A.N. Bhargava, Allahabad

Please Contact: **Mr. Rakesh Bhargava**
B-10, Sahakari Parisar, Kalpana Nagar, Bhopal-462024
Phone: 0755-2754749 • Mobile: 092299203805 • E-mail: vijay.bhargava@live.com

Looking for a suitable match for ABHIJEET BHARGAVA

Date of Birth : 4th April, 1981 ***Time & Place*** : 13:16 hrs, Alwar
Height : 5'7" (171 cms) ***Gotra*** : Bachlas
Complexion : Very Fair ***Kuldevi*** : Nagin
Education : B.Com. (Accounts Hons.), PCA (Griffith University, Australia), MBA in Marketing and Finance
Profession : 3 years work experience in MNCs in Australia
Currently working with MAN group as Business Manager
Holds Australian Citizenship
Income : INR 25,00,000+ per annum

Family Details:

Father : Er. Ajay Bhargava (S/o Dr. (Late) M.L. Bhargava of Alwar), working as Projector Director, Rajasthan House (Govt. of Rajasthan), Mumbai
Mother : Mrs. Ena Bhargava, TV Serial Maker, Owns Production House
Sister : Dr. Ruchika Singh, Physiotherapist and Hospital Administrator
Brother-in-law : Mr. Shantanu Singh, Software Engineer at SonicWall (a U.S. based company)
Brother : Mr. Anirudh Bhargava, pursuing school education, plays for Rajasthan Under-15 cricket team.

Please Contact:
Er. Ajay Bhargava
C-130, Rishabh Path, Shyam Nagar, Jaipur

Looking for a suitable match for ANKIT BHARGAVA

Date of Birth : 6th December, 1981 ***Place*** : Kolkata
Height : 5'6½" (169 cms) ***Gotra***: Bandlash ***Kuldevi***: Nagan Phusan
Education : Schooling at Chandigarh,
B.Tech. (Electrical) from Punjab Engineering College, Chandigarh,
MSEE, University of Southern California, Los Angeles, California, USA
Pursuing Ph.D. in EE at USC
Work Experience : Analog Design Engineer, Information Science Institute, Los Angeles, DARPA (US Army) and NSF funded project
Outlook : Broad outlook with good family values ***Looks***: Handsome with good features
Extra-curricular Activities: Athlete, Good player of Squash, Lawn Tennis and Racket Ball (Ex-USC Champion)
Hobbies : Reading, Sports and Music

Family Details:

Father : Mr. Rajiv Bhargava (C.A.), Owner, Techee BPO (I) Ltd., at Gurgaon, Jaipur
Mother : Mrs. Rajesh Bhargava, Director, Techee BPO (I) Ltd.
Sister : Akansha Bhargava, pursuing MS in Software Engineering from San Jose University, USA
Dada-Dadi : Mr. Moti Lal Bhargava (Retd. Dy. Regional Director, ESI, Jaipur) and Mrs. Shobna Bhargava
Nana-Nani : Late Tribhuvan Nath Bhargava, IPS (Retd. Director General of Police, Bhopal) & Mrs. Sadhna Bhargava
Chacha : Mr. Sudhir Bhargava (I.A.S.), Additional Secretary (Ministry of Petroleum), Delhi
Lt. Col. Dr. Gurumurthy Bhargava (Retd.) Eye Surgeon, Lucknow
Mr. Tarun Bhargava (C.A.), Financial & Software Consultant in San Jose, California, USA
Bhua : Mrs. Mridula Bhargava W/o Mr. Satyendra Bhargava, Kanpur
Mama : Cdr. Deepak Bhargava (Retd. Engg. in Sydney, Australia)
Mr. Ashok Bhargava, Director with Asian Development Bank, Manila, Philippines
Mausi : Mrs. Sangeeta Bhargava W/o Mr. Janardan Bhargava (C.A.), Div. Manager, Oriental Insurance, Bhopal

Please contact:
Mr. Rajiv Bhargava
E-147, Richmond Park, DLF City Phase-IV, Gurgaon, Haryana-122002
Phone: 0124-4043996 • Mobile: 09312985072, 09971086534 • E-mail: rajivbhargava2000@yahoo.com

Looking for a suitable match for NISHANT BHARGAVA (Manglik)

Date of Birth : 15th May, 1984 ***Time & Place*** : 5:10 p.m., Bikaner
Height : 5'11" (180.3 cms) ***Gotra*** : Bandlash
Complexion : Fair with Sharp Features ***Kuldevi*** : Nagan
Education : B.E. (Computer Science) from Rajasthan University, Jaipur
Profession : Working with TCS Noida
Income : Rs. 5 lacs per annum

Family Details:

Father : Mr. Ramesh Chandra Bhargava (S/o Late Johri Lal Bhargava-Late Rameshwari Devi Bhargava, Jaipur), Own Business
Mother : Mrs. Suman Bhargava (D/o Prem Singh Bhargava, Bikaner), M.A., B.Ed., Sr. Teacher, Govt. School, Ajmer
Brother : Mr. Prashant Bhargava, B.E. Hons. (I.T.), Working with Satyam Computers, Hyderabad
Chacha : Mr. Naresh Chandra Bhargava-Mrs. Vibha Bhargava, Jaipur (Own Business)
Mr. Mahesh Chandra Bhargava-Mrs. Punita Bhargava, Delhi (Own Business)
Bhuaji : Mrs. Suman Bhargava, M.A., B.Ed., Sr. Teacher Govt. School, Jaipur
(W/o Mr. Satyendra Nath Bhargava, Business Electrical and Sanitary, Jaipur)

Please Contact:
Mr. Ramesh Chandra Bhargava
20, Sitaram Bhawan, Bapu Nagar, Ajmer-305001
Tel: 0145-2625332 • Mobile: 09413949927, 09829794116 • E-mail: rameshcbhargava@rediffmail.com

Looking for a suitable match for HARSH BHARGAVA

Date of Birth : 5th April, 1980 ***Time & Place*** : 15:15 hrs., Indore
Height : 5'3" (160 cms) ***Gotra*** : Gaglash
Education : B.E. (Mechanical) ***Kuldevi*** : Enta
Profession : Assistant Manager, Moser Bear Limited, Greater Noida

Family Details:

Grandfather : Late Ramkrishna Bhargava, Indore
Grandmother : Late Droupati Devi Bhargava
Father : Late Bharat Bhushan Bhargava, Indore
Mother : Mrs. Sarla Devi Bhargava (D/o Late Rameshwar Prasad-Late Gaura Devi, Jodhpur)
Brother : Mr. Chetan Bhargava, Working as Associate, C. Tilak & Co., Chartered Accountants, Indore

Please Contact:
Mr. Chetan Bhargava
405, Mamta Tower, 1/1, Manorama Ganj, Indore
Mobile: 09826056480, 09425056052 • E-mail: bhargavachetan@hotmail.com

Looking for a suitable match for Anshul Bhargava

Date of Birth	Time & Place	Height	Gotra	Kuldevi	Complexion
14th July 1982	20:48, Gurgaon	178 cm (5'10")	Bachlas	Chamunda	Wheatish

PROFESSION: *Senior Associate Consultant*, Infosys

EDUCATION: MBA, Mudra Institute of Communications, Ahmedabad (MICA)
B.Tech, Computer Science & Engineering, Indraprastha University, Delhi
Schooling from The Air Force School, Subroto Park, New Delhi

HOBBIES: Playing guitar, listening music

FAMILY DETAILS:

Father: **Lokesh Bhargava,** National Head, Design, The Times of India Group
Mother: **Amita Bhargava,** Artist (MA, Fine Arts), Home-Maker
Brother: **Anuj Bhargava,** *B.E.*, Delhi College of Engineering,
Masters, National Institute of Design, Ahmedabad
Dada ji: Shri (Late) **Hari Har Lal Bhargava**, *Advocate, Freedom Fighter*
Dadi ji: Smt (Late) **Kamla Bhargava**, *Sub-Registrar* Gurgaon Distt.,
Chairman - Improvement Trust Gurgaon, Social Worker

Please Contact: Mr Lokesh Bhargava, 171, National Media Centre, Gurgaon 122002
LandLine: 0124-4008171, Mobile: 9999978860, 9999915571
Email: bhargava.lokesh@gmail.com

Looking for a suitable match for NISHITH BHARGAVA

Date of Birth : 3rd December, 1980 ***Time & Place*** : 3.50p.m., Delhi
Height : 5'6" (167.6 cms.) ***Gotra*** : Golish
Complexion : Fair ***Kuldevi*** : Sakra
Professional - Qualification : Master of Business Administration
Personality : Smart, Impressive and Attractive
Qualification : B.Com (H),Delhi University, A-level Doecc
Service : Nirmal Bang
Designation : AVP(Associate Vice President)
Income : 10.00 lacs P.A.

Family Details:

Father : Sh.Satish Chandra Bhargava, Class I Officer in PSU under Delhi Govt.
Mother : Mrs. Anjana Bhargava, Teacher in Green Fields Public School
Elder Brother : Dr. Pankaj Bhargava, Dental Surgeon
Bhabhi : Mrs.Vaishali Bhargava
Grand Father : Late Kedar Nath Bhargava, Proprietor of M/s Jamana Printing Works
Grand Mother : Late Mrs. Shanti Devi, Housewife

Please contact:

Sh.Satish Chandra Bhargava
110,Vigyan Vihar, Near Yamuna Sports Complex, Delhi-110092
Phone.: 011-22161094, Mobile: 09716207587,09213166967, 09818812700

Looking for a suitable match for VAIBHAV BHARGAVA

Date of Birth : 13th June, 1983
Time & Place : 6.45 a.m., Dibai (Distt. Bulandshahar)
Height : 5'6" (168 cms) ***Gotra*** : Bandlash
Blood Group : B ('+' ve) ***Kuldevi*** : Nagan Phusan
Education : B.C.A., M.B.A. (Marketing & IT)

Vaibhav is a very focussed, ambitious and career oriented person, currently on deputation abroad, associated with Midcom (official partners of Nokia) as Manager, Sales & Marketing for Uganda, Africa.

Prior to this he was working with Reliance at Mumbai Office.

He is bold and extrovert by nature yet grounded and down to earth. He has a loving and caring nature with strong family values. He is fond of dancing and socializing.

He wishes for his life partner to be simple, smart, loving, caring, understanding and rational person with strong family values. She should be confident of handling everyday situations independently, specifically while in foreign countries.

Family Details:

Father : Mr. Vinay Bhargava, Director (Works) in ***auNaturale'*** Ice Cream Factory at Ujjain

Mother : Mrs. Rekha Bhargava, M.A. (Sociology), B.Ed., Visharadh in Music, she is a home maker.

Elder Sisters : (1) Mrs. Vinita Bhargava, M.A. (History), she is a home maker. W/o Mr. Vipul Bhargava, looking after the Raymond Retail Shop, Navyug Market, 2 Levi's Stores, Ghaziabad
(2) Mrs. Neetu Bhargava, Interior Designer, W/o Mr. Nishant Bhargava of Gurgaon. Currently working with Intel Corporation at Bangalore.

Dada-Dadi : Late R.S. Bhargava-Late Shobha Bhargava of Dibai, Distt. Bulandshahar
Uncle : Late Arun Bhargava
Aunt : Mrs. Uma Bhargava of Chandausi
Nana-Nani : Late A.N. Bhargava-Mrs. Malti Bhargava of Raibareily
Mama : Mr. Ajay Bhargava, Mechanical Engineer, Jhansi
Bhua's : Mrs. Neena Bhargava (W/o Late Kishore Bhargava, Agency of Raymond for Rajasthan and Raymond Retail Shop, M.I. Road, Jaipur)
Mrs. Madhu Bhargava (W/o Mr. Rakesh Bhargava, Senior Advocate, Ujjain)
Mrs. Meenu Bhargava (W/o Mr. Ajay Bhargava, looking after the Agency of Raymond for Western M.P. at Sati Darwaja, Ujjain)

Please Contact:

Mr. Vinay Bhargava
19/47, Rajeswa Colony, Near G.D.C. College, Ujjain-456010 (M.P.)
Mobile: 09425092333, 09229253803

Looking for a Professionally Qualified match for Miss NAMRATA BHARGAVA

Date of Birth : 28th June, 1986 ***Time & Place*** : 14.20 hrs., Kolkata

Height : 5'5" (165 cms) ***Gotra*** : Golash

Complexion : Fair ***Kuldevi*** : Shakra

Education : B.A. (Hons.) Maths-2007 from Lady Shriram College, New Delhi
M.B.A. Finance-2009 from Symbiosis Centre for Management & HRD, Pune

Profession : Research Associate, Equity Research, UBS Investment Bank (C.T.S.), Hyderabad, India since Dec. 2009

Hobbies : Singing, Dancing, Music, Cooking, Reading, Computer (Net Surfing)

Family Details:

Father : Mr. Rakesh Bhargava, Company Executive till 2002, Share Trading & Real Estate

Mother : Mrs. Ritu Bhargava (D/o Late Nand Kishore Bhargava-Vimla Bhargava, Kolkata)

Grandfather : Late Kailash Nath Bhargava (Retd. as Chairman in 2001 of Trackparts of India Ltd., Kanpur)

Grandmother : Late Malti Bhargava of Mathura

Elder Sister : Mrs. Nandita Bhargava (W/o Mr. Amit Bhargava S/o Mrs. Chitra-Mr. Vidhan Bhargava engaged in family business at Jodhpur)

Younger Sister : Miss Niharika Bhargava - 1992, Class 12th

Buas : Mrs. Asha Bhargava (W/o Gp. Capt. Abhaya Bhargava, Retd., Bangalore)
Mrs. Titli Aneja (W/o Late Gian Sangar Aneja, Seattle, U.S.A.)
Mrs. Neeta Rastogi (W/o Mr. Sharad Rastogi, Business, New Delhi)

Chacha : Mr. Mukesh Bhargava, Company Executive, Raipur

Please Contact:

Mr. Rakesh Bhargava / Mrs. Ritu Bhargava
3/11-C, Vishnupuri, P.O. Nawabganj, Kanpur-208002
Phone: 0512-2533423, 3208119 • Mobile: 09794321828, 09336331204
E-mail: rakeshbhargava2003@yahoo.com • namratabhargava86@gmail.com

Looking for a suitable match for Miss SONALIKA BHARGAVA

Date of Birth : 8th December, 1982 ***Place*** : Mathura
Gotra : Kashyap ***Kuldevi*** : Archat
Height : 5'3" ***Weight*** : 45 Kg.
Complexion : Fair
Education : B.Com. from Delhi University, Law Graduate

Family Details:

Father : Mr. S.P. Bhargava (son of late Prabhu Dayal Bhargava, Freedom Fighter) owner of Midland Fruits & Vegetables Products Ltd., Mathura

Mother : Smt. Rekha Bhargava

Tau ji : Mr. Nagendra Prakash Bhargava of Midland Fruits & Vegetables Products Ltd., Delhi

Brother : Mr. Saurabh Bhargava, pursing C.A. and C.S. Final

Please Contact:

Mr. S.P. Bhargava
Bhargava Ashram, Mathura Road, Vrindavan (U.P.)
Mobile : 09897064625 • Email : surya_bhargav@yahoo.com

Looking for a suitable match for Miss SHRUTI BHARGAVA

Date of Birth : 9^{th} July, 1986 ***Gotra*** : Bachlas
Height : 5'2" (157.5 cms) ***Kuldevi*** : Munderi
Education : M.B.A. (with specialization in Marketing) from ICFAI Business School, Gurgaon; B.Sc. (Biotech) from M.L.N. College Yamunanagar, Haryana; Senior Secondary (10+2): from St. Andrews Scott School, Delhi
Profession : Working as Marketing Executive with M/s. Nucleus Software, Noida

Family Details:

Father : Mr. Avdhesh Bhargava (S/o Late K.D. Bhargava, Paper Technologist, Jabalpur), B.E. (Mech), M.E. (Production), M.B.A., working as Addl. G.M. with Bharat Electronics Ltd, Ghaziabad, a Government of India Enterprise.

Mother : Mrs. Madhu Bhargava (D/o Late Nandan Bhargava, IFS of Kota), M.Sc. (Clothing & Textile) from M.S.University, Baroda. Presently working for an Italian Garment Buying House as Sampling and Design Manager.

Sisters : Mrs. Itee Bhargava, Fashion Designer, married to Mr. Mukul Deshpande (Electronics Engineer with M/s. Colt Technologies, Gurgaon).
Miss Kriti Bhargava, studying in 2^{nd} year Economics (Honours) from Delhi University.

Chacha-Chachi : Group Capt Dr. Aditya Bhargava, M.D., M.S. (ENT Specialist) & Dr. Nisha Bhargava, M.D., M.S. (Gynecologist).

Buas : Mrs. Malti Sharma, M.A, married to Dr.Mahesh Sharma of Narsinghgarh (MP)
Ms. Sudha Bhargava, M.A., B.Ed. Retired as Headmistress, Education Department Haryana
Ms. Mithlesh Bhargava, M.A., B.Ed., D.P.E, Retired School Teacher
Ms Asha Bhargava, M.A., B.Ed., retired Vice Principal, Haryana Education Services, State and National Awards Winner
Major Geeta Bhargava, Retired as Lecturer, Ex. Major in NCC
Mrs. Anjana Bhargava, married to Mr. Vijay Bhargava (Mechanical Engineer) residing in El Dorado Hills, California (USA).

Please contact: **Mr. A.K. Bhargava**
F-19, Vivek Apartments, Sreshtha Vihar, Delhi-110092
Phone: 011-22150548 • Mobile: 09818082878 • E-mail: avdh88@hotmail.com